प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 07, 26 अप्रैल से 02 मई, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी

बंगाल का फाइनल राउंड

संदेशखाली से बांग्लादेश बॉर्डर तक ममता के गढ़ में होगा भाजपा का असली इम्तिहान

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण की 152 सीटों पर वोटिंग के बाद अब बारी 'फाइनल राउंड' की है। दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग है, जहां 142 सीटों पर चुनाव है। यह इलाका ममता बनर्जी का मजबूत गढ़ है, तो बीजेपी की पांच साल की सियासी प्रयोगशाला भी है। ऐसे में बीजेपी और टीएमसी के बीच आर-पार की लड़ाई है। जो इस इलाके में जीतने में कामयाब रहेगा, उसी का बंगाल में राज होगा?

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

बंगाल के पहले चरण में जिन 16 जिलों की सीटों पर चुनाव हुए हैं, उसे बीजेपी का दुर्ग कहा जाता है। पहला चरण उत्तरी बंगाल और जंगल महल की सीटों पर केंद्रित था, तो वहीं दूसरे चरण में बांग्लादेश की सीमा से लगी सीटें हैं और दूसरा कोलकाता के आसपास की सीटें हैं।

दूसरा फेज दक्षिण बंगाल के उस 'कोर बेल्ट' में है, जिसे ममता बनर्जी का अभेद्य किला माना जाता है। इसीलिए पहले चरण से ज्यादा इस फेज में बीजेपी का असल इम्तिहान होना है, जहां एक तरफ ममता बनर्जी अपने दुर्ग को बचाए रखने की कवायद में हैं, तो दूसरी तरफ बीजेपी बंगाल की सत्ता में काबिज होने की कोशिश में लगी है।

दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को 142 सीटों पर होना है मतदान

142 सीटों पर 1448 उम्मीदवारों की दांव पर लगी है किस्मत

कोलकाता की सभी शहरी सीटें इसी चरण में शामिल

पश्चिम बंगाल के दूसरे फेज में 8 जिलों की 142 सीटों पर 1448 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है, जिसका फैसला 29 अप्रैल को मतदाता करेंगे। टीएमसी ने दूसरे फेज की सभी 142 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रखे हैं, तो बीजेपी 141 सीटों पर किस्मत आजमा रही है। कांग्रेस भी सभी 142 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि सीपीएम 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रखे हैं। दूसरे चरण में कोलकाता की सभी शहरी सीटें इसी चरण में शामिल हैं। इसके अलावा 24 परगना उत्तर और दक्षिण, दोनों जिलों की सीटें हैं। हावड़ा, नदिया, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर जिले की सीटें हैं। ऐसे ही पूर्व और पश्चिम बर्धमान की सीटें हैं, जहां 2021 में टीएमसी ने क्लीन स्वीप किया था। इसी इलाके के बदौलत ममता बनर्जी बंगाल मी सत्ता की हैट्रिक लगाने में कामयाब रही थीं।

दूसरे फेज का सियासी समीकरण

2021 के चुनाव में इन 142 सीटों पर इनमें से बीजेपी ने सिर्फ 18 सीटें जीती थीं, जबकि टीएमसी ने 123 सीटों पर जीत दर्ज कर सत्ता की हैट्रिक लगाई थी। कोलकाता ही नहीं, उत्तर और दक्षिण 24 परगना इलाके की एक भी सीट बीजेपी नहीं जीत सकी थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता बनर्जी की इस इलाके में कितनी मजबूत पकड़ है। 2021 में बीजेपी उत्तरी बंगाल और जंगल महल के इलाके वाली सीटों पर टीएमसी पर भारी पड़ी थी, लेकिन दक्षिण बंगाल की सीटों पर उसका गेम बिगड़ गया था। बीजेपी ने इस बार पूरा फोकस इसी इलाके पर किया है, जहां पांच साल तक अलग-अलग मुद्दों पर टीएमसी को घेरती रही है। चाहे फिर 24 परगना के संदेशखाली वाली घटना रही हो या फिर मतुआ समुदाय के साथ किए जा रहे भेदभाव का मुद्दा।

बीजेपी की राजनीतिक प्रयोगशाला में टेस्ट

बंगाल के फाइनल राउंड के चुनाव में बीजेपी का असल टेस्ट होना है, जिसे पांच साल तक अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला बनाने के लिए मशक्कत करती रही है। पश्चिम और पूर्व बर्धमान का इलाका औद्योगिक और कोयला बेल्ट है, तो 24 परगना का इलाका मुस्लिम बहुल है। नदिया जिले की करीमपुर, तेहट्टा, चापड़ा और कृष्णगंज जैसी सीटें सीधे बांग्लादेश सीमा से लगती हैं। इसी तरह उत्तर 24 परगना जिले की बोंगांव, बगदा, स्वरूपनगर और बशीरहाट सीटें बांग्लादेश की सीमा से सटी हैं, तो दक्षिण 24 परगना इलाके के सुंदरबन क्षेत्र जैसे हिंगलगंज और संदेशखाली बांग्लादेश से जुड़े हैं।

सीमावर्ती इलाकों में निर्णायक होंगे मतुआ वोटर

बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाके में मुस्लिम वोटर बड़ी संख्या में हैं, जिसके चलते ममता बनर्जी जीत दर्ज करती रही हैं। बीजेपी बांग्लादेश से अवैध रूप में घुसपैठ के मुद्दे को भी जोरदार तरीके से उठाती रही है। बोंगांव और नदिया के सीमावर्ती इलाकों में मतुआ वोट बैंक निर्णायक है, जहां सीएए एक बड़ा फैक्टर है। बीजेपी यह दावा करती रही है कि बांग्लादेश से आने वाले हिंदुओं को नागरिकता देने का काम कर रही है, तो दूसरी तरफ अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले मुस्लिमों को बाहर निकालने का नैरेटिव सेट करने में जुटी है। बीजेपी ने इन इलाकों में घुसपैठ और तुष्टीकरण को बड़ा मुद्दा बनाकर ममता बनर्जी को सियासी कठघरे में खड़ा किया है। इस तरह बीजेपी की कोशिश धार्मिक ध्रुवीकरण के जरिए बांग्लादेश की सीमा से लगे इलाके में अपनी सियासी जड़ें जमाने की है, जबकि ममता बनर्जी का पूरा जोर इस इलाके की सीटों को बचाए रखने पर है। ऐसे में देखना है कि बीजेपी ने पांच साल तक जिसे अपनी राजनीतिक प्रयोगशाला के तौर पर बनाने का काम किया है, क्या वह चुनाव में सियासी रूप से मुफीद होगा?

चुनाव आयोग का एक्शन, मुख्य सचिव को भेजा पत्र

चुनाव में लापरवाही, एसपी सहित 5 अफसर होंगे सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने और ''गंभीर कदाचार'' के मामले में राज्य सरकार को डायमंड हार्बर के पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने तथा उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में कहा कि यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) द्वारा पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई है। जिन अधिकारियों को निलंबित किया जाना है, उनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप गराई, अनुमंडल पुलिस अधिकारी सजल मंडल, डायमंड हार्बर थाना प्रभारी मौसम चक्रवर्ती, फाल्टा थाना प्रभारी अजय बाग और उस्ती थाना प्रभारी अधिकारी सुभेच्छा बाग शामिल हैं। निर्वाचन आयोग ने अपने आदेश में कहा, ''आयोग मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद निर्देश देता है कि इन अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाए और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने एवं गंभीर कदाचार के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की जाए।'' आयोग ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गराई के संबंध में रिपोर्ट गृह मंत्रालय में उनके काडर नियंत्रक प्राधिकरण को भेजी जाए। गराई भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी हैं। इसने राज्य सरकार से कहा कि चुनाव संबंधी ड्यूटी में अधीनस्थ अधिकारियों के बीच ''अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने में विफल'' रहने पर डायमंड हार्बर की पुलिस अधीक्षक ईशानी पाल को चेतावनी जारी की जाए।

दूसरे चरण के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से पहले चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए 11 अतिरिक्त पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। दूसरे चरण में राज्य की 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये सभी 11 नए पुलिस पर्यवेक्षक अन्य राज्यों से बुलाए गए हैं। इनका मुख्य कार्य दूसरे चरण की चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह सुरक्षित और निष्पक्ष बनाना है।

तमिलनाडु में मतदान का सटीक आंकड़ा होगा जारी

चेन्नई। भारत निर्वाचन आयोग तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान मताधिकार का इस्तेमाल करने वाले मतदाताओं का सटीक आंकड़ा जारी करेगा। मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में पुरुष, महिला और ट्रांसजेंडर मतदाताओं का अलग-अलग विवरण भी शामिल होगा। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान हुआ था और मतगणना चार मई को होगी। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यहां कहा कि मतदान के दिन जारी 85.15 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा अंतिम नहीं है और यह कुछ मतदान केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित था। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केंद्र पर पड़े वास्तविक मतों की संख्या प्रपत्र 17सी में औपचारिक रूप से दर्ज की जाती है जिसका मिलान भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय में उपलब्ध आंकड़ों से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में अब तक करीब 4.18 लाख डाक मत दर्ज किए गए हैं।

चुनावी सभा में शाह ने साधा ममता सरकार पर निशाना

सत्ता में आने पर मतुआ समुदाय के लिए सीएए जल्दू लागू किया जाएगा

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को दावा किया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में ही अपनी जीत सुनिश्चित कर ली है, और पार्टी 23 अप्रैल को हुए मतदान में 110 सीटें जीतेगी। शाह ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को, विशेष रूप से मतुआ समुदाय के लिए, शीघ्रता से लागू किया जाएगा।

महिलाओं ने उठाया सबसे ज्यादा नुकसान

शाह ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासनकाल में सबसे ज्यादा नुकसान महिलाओं को ही उठाना पड़ा है। चाहे आरजी कर मामला हो, संदेशखलि या दक्षिण कोलकाता विधि कॉलेज का मामला हो, हर घटना ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ममता दीदी की सरकार की पूर्ण विफलता को उजागर किया है।' केंद्रीय मंत्री ने बनर्जी के उन कथित बयानों पर आपत्ति जताई जिनमें उन्होंने महिलाओं को शाम सात बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की सलाह दी थी। शाह ने कहा कि ऐसे बयान सरकार की विफलता को दर्शाते हैं।

सत्ता के लालच में ममता गरीबों की नहीं बल्कि अमीरों की मदद कर रहीं : राहुल

श्रीरामपुर (पश्चिम बंगाल)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक ही श्रेणी में रखते हुए दोनों पर सत्ता के लालच में गरीबों के बजाय अमीरों की मदद करने का आरोप लगाया।

गांधी ने हुगली जिले के श्रीरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी स्वयं को 'देशभक्त' कहते हैं, लेकिन वह देश को बेच रहे हैं।

नीति आयोग का पुनर्गठन लाहिड़ी वाइस चेयरमैन

नयी दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।'

नीतिगत संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ

प्रधानमंत्री ने कहा कि नीति आयोग भारत की नीतिगत संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में उभरा है, जो सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने, सुधारों को आगे बढ़ाने और जीवन सुगमता को प्रोत्साहित करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'यह विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है।' प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन हैं। नियुक्ति के बाद लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात की। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 15वें वित्त आयोग के सदस्य रह चुके हैं। वह राज्य में जारी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी नहीं हैं।

आप पार्टी के बागी नेताओं का सड़क से सोशल मीडिया तक हो रहा विरोध

भज्जी और गुप्ता के घर पर लिखा 'गद्दार' राघव को 10 लाख ने कर दिया अनफॉलो

एजेंसी ▶▶| जालंधर

आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले 7 में से 3 राज्यसभा सांसदों हरभजन सिंह भज्जी, राजिंदर गुप्ता और एलपीयू के संस्थापक अशोक मित्तल के खिलाफ आप के वर्करों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने जालंधर में भज्जी और लुधियाना में ट्राइडेंट ग्रुप के मालिक राजिंदर गुप्ता के घर के बाहर गद्दार लिख दिया।

फगवाड़ा में सांसद अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी एलपीयू के गेट पर भी 'पंजाब का गद्दार' लिख दिया गया। इस दौरान पुलिस वहां मौजूद रही लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोई खास कोशिश नहीं की। इधर, आम आदमी पार्टी के बागी सांसद राघव चड्ढा को भाजपा जॉइन करने के बाद बड़ा झटका लगा है। पिछले 2 दिन में 1 मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा लोगों ने इंस्टाग्राम पर उन्हें अनफॉलो किया है। 23 अप्रैल को राघव के इंस्टाग्राम पर 14.6 मिलियन फॉलोअर्स थे। लेकिन 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़ने के बाद से अबतक राघव को इंस्टाग्राम पर 11 लाख से ज्यादा लोगों ने अनफॉलो किया। अब राघव के इंस्टाग्राम पर 13.5 मिलियन फॉलोअर्स, जो लगातार तेजी से गिर रहे हैं।

चड्ढा के भाजपा ज्वाइन करने पर बड़ी संख्या में गिरे फालोवर्स

यह है मामला

दरअसल, शुक्रवार को पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 सांसदों ने कल (24 अप्रैल) पार्टी छोड़ दी। इनमें से 6 पंजाब से हैं। पार्टी छोड़ने के बाद पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार शाम को ही सांसद अशोक मित्तल और संदीप पाठक के साथ भाजपा जॉइन कर ली। चड्ढा के मुताबिक हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता भी हमारे साथ हैं।

दलबदल को लेकर सीएम मान ने मांगा राष्ट्रपति से समय

इससे पहले पंजाब के सीएम भगवंत मान ने 7 आप सांसदों के पार्टी छोड़ने को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात का टाइम मांगा है। पंजाब सीएम ऑफिस से जुड़े सोर्सेज के मुताबिक सीएम मान पंजाब के सभी विधायकों को लेकर दिल्ली जाकर राष्ट्रपति से मिलना चाहते हैं। वह पार्टी बदलने वाले 7 सांसदों के राइट टू रिकॉल की मांग करेंगे और इस पर अपना पक्ष रखेंगे। इसके अलावा आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह उपराष्ट्रपति से मिलेंगे। जहां वे पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग करेंगे। संजय सिंह और पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि सिर्फ 3 ही सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं। बाकी 4 अभी उनकी ही पार्टी में हैं।

आप का दावा, मालीवाल गुप्ता के फर्जी साइन

राघव चड्ढा ने कल दावा किया था कि उनकी पार्टी के राज्यसभा में 10 सांसद हैं। इनमें से दो तिहाई यानी 7 सांसद हमारे साथ हैं। ऐसे में हमारे ऊपर दलबदल कानून लागू नहीं होता। इसे खारिज करते हुए वित्तमंत्री चीमा ने कहा कि सिर्फ 3 ही सांसद भाजपा में गए हैं। 2 सांसदों स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता के फर्जी साइन किए गए हैं।

बंगाल में कोलकाता समेत 9 जगहों पर ईडी के छापे

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित पीडीएस घोटाला मामले में धन शोधन की जांच के तहत शनिवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता, बर्धमान और हाबरा में निरंजन चंद्र साहा समेत आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के लगभग नौ परिसरों पर तलाशी अभियान जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जा रही है। केंद्रीय एजेंसी ने इस मामले में पहले भी छापेमारी की थी। राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को मतदान होना है। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ था। धन शोधन का यह मामला अक्टूबर 2020 में बसीरहाट पुलिस द्वारा घोजाडांगा स्थित सीमा शुल्क उपायुक्त (भूमि सीमा शुल्क स्टेशन) की शिकायत पर दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई है। गेहूं को आपूर्तिकर्ताओं, लाइसेंस प्राप्त वितरकों, डीलर और बिचौलियों की मिलीभगत से अवैध माध्यमों से कम कीमत पर खरीदा गया।

ईडी का दावा

ईडी का दावा है कि आपूर्ति श्रृंखला से बड़ी मात्रा में गेहूं को अवैध रूप से निकालकर कई स्थानों पर जमा किया गया था। अनाज को मूल रूप से कहां से प्राप्त किया गया, इसकी जानकारी छिपाने के लिए आरोपियों ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य सरकार के चिह्नों वाले मूल बोरे हटा दिए या उलट दिए और उन्हें फिर से भर दिया और इस तरह पहचान संबंधी चिह्नों को छिपाकर पीडीएस के गेहूं को खुले बाजार में बेचने या निर्यात करने के लिए वैध भंडार के रूप में पेश किया गया। इस मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योति प्रिय मलिक और कुछ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

19 अप्रैल से गंगोत्री व यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई है चारधाम यात्रा

केदारनाथ हेली सेवा बुकिंग में महाराष्ट्र सबसे आगे

90 मिनट में 'हाउसफुल' हुईं 31 हजार सीटें

एजेंसी ▶▶| रुद्रप्रयाग

हिमालय की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है। 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद तीन दिन में ही उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम पहुंचकर 93252 यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला है।

शनिवार को आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल से 15 जून तक के लिए उपलब्ध हेलीकॉप्टर शटल सेवा की सभी 31 हजार 450 सीटें पोर्टल खुलने के महज 90 मिनट के भीतर बुक हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, बुकिंग प्रक्रिया 15 अप्रैल को शाम 6 बजे शुरू हुई और रात 7.28 बजे तक आखिरी टिकट जारी कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आधिकारिक आईआरसीटीसी पोर्टल के जरिए कुल 10,855 टिकट जारी किए गए। यह हेलीकॉप्टर शटल सेवा तीर्थयात्रियों को बेस कैंप से हिमालयी तीर्थस्थल तक हवाई मार्ग से जोड़ती है। यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से संचालित होती है, ताकि 16 किमी की कठिन चढ़ाई को आसान बनाया जा सके। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अनुसार, हेल्पलाइन कॉल सेंटर ने इस प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए 565 रैंडम वेरिफिकेशन कॉल किए। अधिकारियों ने पाया कि इस्तेमाल किए गए 10 हजार 859 मोबाइल नंबरों में से 4 हजार 400 नंबर असली यात्रियों से मेल खाते थे। विश्लेषण से पता चला कि 51 प्रतिशत बुकिंग सीधे तीर्थयात्रियों ने की थी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाकी 49 प्रतिशत बुकिंग अन्य अधिकृत माध्यमों से की गई थी।

बुकिंग चार्ट में इन्होंने मारी बाजी

राज्यों के हिसाब से बुकिंग चार्ट में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा, जहां 1708 सफल बुकिंग हुईं. अन्य प्रमुख बुकिंग उत्तर प्रदेश (1,243), दिल्ली (867), तेलंगाना (864), कर्नाटक (801) और गुजरात (700) से हुईं।

यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से होती है संचालित

बुकिंग के लिए सख्त नियम

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, राज्य सरकार ने हर यूजर के लिए बुकिंग की सीमा दो और सीटों की सीमा 12 तय की थी। एक आईपी एड्रेस से सिर्फ पांच यूजर आईडी इस्तेमाल करने की अनुमति थी, और हर बुकिंग में ज्यादा से ज्यादा 6 यात्रियों को शामिल किया जा सकता था। विभाग ने बताया कि अब तक 510 बुकिंग आईडी के तहत कुल 913 सीटें रद्द भी की जा चुकी हैं।

केसीआर की बेटी कविता ने बनाई नई पार्टी टीआरएस

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

बीआरएस को देंगी टक्कर

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कल्वाकुंतला कविता ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) लॉन्च की है। पूर्व बीआरएस सांसद और एमएलसी कलवाकुंतला कविता ने शनिवार सुबह अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना की शुरुआत की। इसके साथ ही कविता ने अपने पिता के नेतृत्व वाली 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) से अपना निर्णायक और अंतिम अलगाव कर लिया है। के. कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। कविता सात महीने पहले बीआरएस पार्टी छोड़ दी थी।

पिता पर साधा निशाना : पार्टी बनाने के बाद कविता ने कहा, वह बीआरएस के वोट बैंक को लुभाने की कोशिश करेंगी। साथ ही उन्होंने अपने पिता के. चंद्रशेखर राव और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। कविता ने कहा, 'केसीआर (राव को इसी नाम से जाना जाता है) बदल गए हैं और अब वे पहले जैसे नेता नहीं रहे। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे केसीआर नहीं, बल्कि एक गैर-केसीआर हैं। उन्होंने बताया कि केसीआर सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं और जनता की किसी भी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सम्पादकीय

सड़कें बढ़ीं, सुरक्षा घटी, पहाड़ से मैदान तक हादसों का बढ़ता खतरा

उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा क्षेत्र में बीते गुरुवार को एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा में खामियों और जोखिम को उजागर किया है। इसमें दोराय नहीं कि विकास में पिछड़े देश के मैदानी क्षेत्रों से लेकर पहाड़ के दुर्गम इलाकों में भी अब सड़कों का जाल बिछ गया है, जिससे वहां का कठिन जनजीवन काफी हद तक आसान हो गया है। मगर सड़कों के निर्माण के साथ-साथ सुरक्षित सफर का पहलू भी बेहद महत्त्वपूर्ण है। इस मसले पर शासन-प्रशासन के दावों के बावजूद सड़क हादसे कम होने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं। उत्तराखंड में टिहरी गढ़वाल जिले के चंबा क्षेत्र में बीते गुरुवार को एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो जाने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा में खामियों और जोखिम को उजागर किया है। सवाल है कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन, सड़कों की समुचित देखरेख और निर्माण में कमियों पर गंभीरता से ध्यान क्यों नहीं दिया जा रहा है? क्या सिर्फ कागजों में योजनाओं और उपायों का खाका खींचने भर से सड़क दुर्घटनाएं कम हो जाएंगी? इन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी तरीके से लागू करने की जिम्मेदारी किसकी है? गौरतलब है

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को सड़क से सफर सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए थे। शीर्ष अदालत का यह कहना बेवजह नहीं था कि जिन खामियों को दुरुस्त किया जा सकता है, अगर उनकी वजह से सड़क हादसों में एक भी जान जाती है, तो यह संबंधित राज्य एवं प्राधिकरण की सुरक्षा जिम्मेदारी में कमी और लापरवाही को दशार्ता है। पहाड़ी राज्यों में तो भौगोलिक जटिलताओं की दृष्टि से सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम ज्यादा होता है और ऐसे में वहां हर स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत होती है। मगर शायद ही इस पर कोई विशेष ध्यान दिया जाता है और यही लापरवाही आए दिन पहाड़ी इलाकों में बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। बुनियादी सुरक्षा सावधानियों की कमी, सड़कों पर अतिक्रमण, ज्यादा जोखिम वाली जगहों पर पैराफिट की मजबूत घेराबंदी एवं निगरानी का अभाव खतरे को और ज्यादा बढ़ा रहा है। ऐसे में जरूरी है कि केंद्र और राज्य सरकारें सड़क सुरक्षा को लेकर मजबूत एवं प्रभावी तंत्र विकसित करे, ताकि मानव जीवन की रक्षा हो सके। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में बुधवार रात एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसने कई परिवारों की खुशियां पलभर में छीन लीं। रीवा-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ड्रमंडगंज घाटी की ढलान पर यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक बेकाबू हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे, जिसकी वजह से वह सामने चल रहे वाहनों पर चढ़ गया और एक के बाद एक कई गाड़ियों को टक्कर मार दी।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल 2026 पर विशेष

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

ललित गर्ग

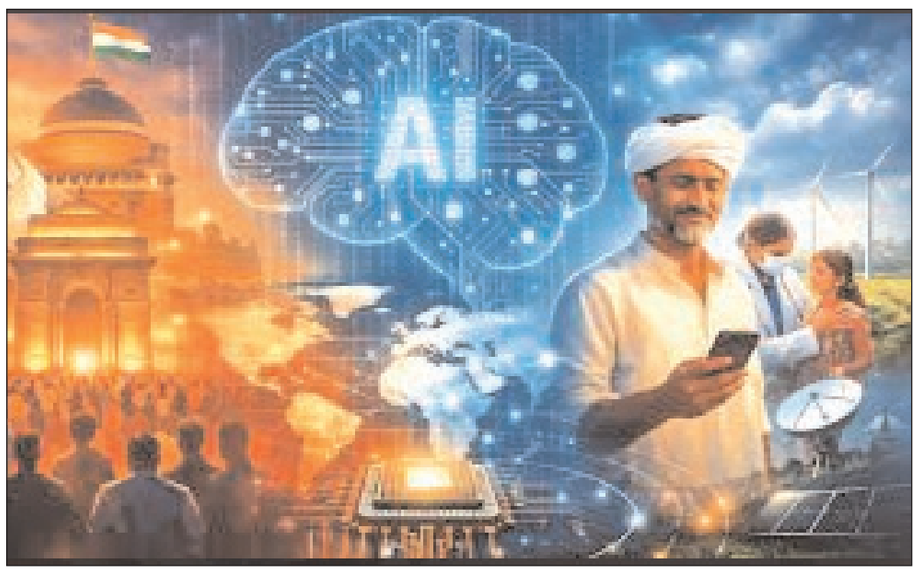

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

महिला आरक्षण बिल : भावनाओं का जाल- विपक्ष गिरफ्तार

मृत्युंजय दीक्षित

विरोधी दलों ने लोकसभा में यह विधेयक गिरा दिया है लेकिन अब यह उनके लिए, चिड़िया चुग गई खेत वाली कहावत सिद्ध करने जा रहा है। भाजपा ने इसे अपने पक्ष में बड़ा राजनैतिक हथियार बना लिया है। इस विषय को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच केंद्र सरकार ने देश की महिलाओं को संसद व राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ वर्ष 2034 की बजाए 2029 से देने के लिए 131वां संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया। यह संशोधन विधेयक पारित होने के लिए इसके पक्ष में दो तिहाई बहुमत चाहिए था। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस व डीएमके जैसे दलों ने इस संशोधन को समर्थन नहीं दिया जिससे दो तिहाई बहुमत न मिलने के कारण यह 298 मतों के मुकाबले 230 मतों से गिर गया। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद विपक्षी दलों ने इसको प्रधानमंत्री की हार बताते हुए मेजें थपथपाकर जश्न मनाया।

लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि इन सभी विधेयकों में उत्तर दक्षिण से कोई भेदभाव नहीं किया गया है तथा सरकार इसका कोई क्रेडिट भी लेना नहीं चाहती। साथ ही प्रधानमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा था कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाले लंबे समय तक इसका खामियाजा भुगतेंगे, नंबर का खेल समय तय करेगा किंतु नारी नीयत देखेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में मतदान से पूर्व कई बार विरोधी दलों से बिल का समर्थन प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्षी सांसदों से भावुक अपील भी की थी। प्रधानमंत्री के सभी प्रयासों के बाद भी राजनैतिक स्वार्थ, अहंकार व सामंतवादी मानसिकता से त्रस्त परिवारवादी राजनैतिक दलों ने यह बिल पारित नहीं होने दिए। यदि यह विधेयक पारित हो जाते तो यह सत्र भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव बन जाता। विधेयक को दो तिहाई मत मिलने पर विरोधी दल ऐसे आनंदित हो रहे हैं जैसे उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार गिरा दी हो। वो इसे मोदी की हार कह रहे हैं और यही विरोधी दलों ने एक राजनैतिक भूल है। महिला आरक्षण बिल भाजपा के लिए चित भी मेरी - पट भी मेरी वाला खेल बन गया है और पार्टी इस विषय को लेकर आक्रामक रूप से जनता में जा रही है। सदन में सभी विरोधी दलों ने परिसीमन और आरक्षण को लेकर भ्रम व झूठ का मायाजाल फैलाया। कुछ दलों ने जातीय जनगणना पर झूठ बोला और एससी-एसटी, ओबीसी, दलित आदिवासी व मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की मांग कर डाली। समाजवादी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर 33 प्रतिशत आरक्षण के अंदर ही मुस्लिम महिलाओं के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए बिल को असंवैधानिक बताकर अपने मुस्लिम तुष्टिकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाया। वास्तविकता यह है कि धर्म आधारित आरक्षण संविधान के विरुद्ध है जिसका असफल प्रयास कुछ दक्षिणी राज्यों में किया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। वहीं यदि परिसीमन करने वाला बिल और महिला आरक्षण बिल पारित हो जाते तो जनसंख्या वृद्धि के अनुसार 2029 में महिला सांसदों की संख्या 272 हो जाती और देश के राजनैतिक परिदृश्य में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई पड़ता।

विरोधी दलों ने लोकसभा में यह विधेयक गिरा दिया है लेकिन अब यह उनके लिए, चिड़िया चुग गई खेत वाली कहावत सिद्ध करने जा रहा है। भाजपा ने इसे अपने पक्ष में बड़ा राजनैतिक हथियार बना लिया है। इस विषय को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस का काला चिट्ठा खोलकर विस्तारपवूर्वक देशवासियों के समक्ष रखा और बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सभी सुधारवादी प्रयासों का विरोध किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिवारवादी पार्टियों को डर है कि अगर नारी सशक्त हो गई तो इनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। ये कभी नही चाहेंगे कि उनके परिवार के बाहर की महिलाएं आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा अत्मबल अजेय है, हमारे प्रयास रुकेंगे नहीं। देश की 100 प्रतिशत नारी शक्ति आशीर्वाद हमारे साथ है और हम इस संकल्प को पूरा करके रहेंगे। बंगाल और तमिलनाडु जहां अभी विधानसभा का मतदान शेष है वहां प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा के सभी स्टार प्रचारक अपनी रैलियों में यह मुद्दा आक्रामक ढंग से उठा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित बीजेपी व राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री महिला आरक्षण पर प्रेस वार्ता करके राज्यों में विपक्षी व क्षेत्रीय दलों को बेनकाब कर रहे हैं। महिला आरक्षण बिल पास न होने पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संसद में उस दिन द्रौपदी के चीरहरण जैसा दृश्य था। योगी जी ने कहा कि अगर ये बिल पारित हो जाता तो महिलाओं को उनका हक मिलता लेकिन इंडी गठबंधन के कारण ऐसा नहीं हो सका।

यदि यह विधेयक सर्वसम्मति से पास हो जाता तो स्वाभाविक रूप से इसका श्रेय पूरे सदन व सभी राजनैतिक दलों को मिलता, विरोधी दलों ने एक बहुत बड़ा अवसर खो दिया है। इस घटनाक्रम ने राजनैतिक दृष्टि से राजग गठबंधन को स्पष्ट बढ़त दी है।

लघुकथा

अस्तित्वहीन नहीं

मधुदीप

उस रात कड़ाके की सर्दी थी। सड़क के दोनों ओर की बत्तियों के आसपास कोहरा पसर गया था। रोज-क्लब के निकास-द्वार को पाँव से धकेलते हुए वह लड़खड़ाता हुआ बाहर निकला। झट दोनों हाथ गर्म पतलून की जेवों के अस्तर छूने लगे। बरामदे में रिक्शा खड़ी थी। उसकी डबल सीट पर पतली-सी चादर मुँह तक ढाँपे, चालक गठरी-सा बना लेटा था। घुटने पेट में घुसे थे। रिक्शा देखकर उसका चेहरा चमक उठा। "खारी बावली चलेगा..." वह रिक्शावाले के समीप पहुँचा। उधर से चुप्पी रही। "चल, दो रुपए दे देंगे।" युवक ने उसके अन्त को कुरेदा। "दो रुपैया से जियादा आराम की जरूरत है हमका।" "साले! पेट भर गया लगता है...।" नशे में बुदबुदाता हुआ जैसे ही वह युवक आगे बढ़ा... ...तड़ाक... रिक्शावाले का भारी हाथ उसके गाल पर पड़ा। क्षणभर को युवक का नशा हिरन ही गया। वह अवाक्-सा खड़ा उसके मुँह की ओर देख रहा था। रिक्शावाला छाती फुलाए उसके सामने खड़ा था।

कहानी

नीतिवान सन्यासी

एक जंगल में हिरण्यक नामक चूहा तथा लघुपतनक नाम का कौवा रहता था। दोनों में प्रगाढ़ मित्रता थी। लघुपतनक हिरण्यक के लिए हर दिन खानें के लिए लाता था । अपने उपकारों से उसने हिरण्यक को ऋणी बना लिया था । एक बार हिरण्यक ने लघुपनक से दुखी मन से कहा-- इस प्रदेश में अकाल पड़ गया है। लोगों ने पक्षियों को फँसाने के लिए अपने छतों पर जाल डाल दिया है। मैं किसी तरह बच पाया हूँ। अतः मैंने इस प्रदेश को छोड़ने का निश्चय किया है। लघुपनक ने बताया-- दक्षिण दिशा में दुर्गम वन है, जहाँ एक विशाल सरोवर है। वहाँ मेरा एक अत्यंत घनिष्ट मित्र रहाता है। उसका नाम मंथरक कछुआ है। उससे मुझे मछलियों के टुकड़े मिल जाया करेंगे। हिरण्यक ने विनती की कि वह भी लघुपतनक के साथ वहीं जाकर रहना चाहता है। लघुपतनक ने उसे समझाने की कोशिश की कि उसे अपनी जन्मभूमि व सुखद आवास को नहीं छोड़ना चाहिए। इस पर हिरण्यक ने कहा कि ऐसा करने का कारण वह बाद में बताएगा। दोनों मित्रों ने साथ जाने का निश्चय किया। हिरण्यक लघुपतनक के पीठ पर बैठकर उस सरोवर की ओर प्रस्थान कर गया। निश्चित स्थान पर पहुँचकर कौवे ने चूहे को अपनी पीठ पर से उतारा तथा तालाब के किनारे खड़े होकर अपने मित्र मंथरक को पुकारने लगा। मंथरक तत्काल जल से निकला। दोनों एक- दूसरे से मिलकर प्रसन्नचित थे। इसी बीच हिरण्यक भी आ पहुँचा। लघुपनक ने मंथरक से हिरण्यक का परिचय कराया तथा उसके गुणों की प्रशंसा भी की। मंथरक ने भी हिरण्यक से उसके जन्मस्थान से वैराग्य का कारण जानना चाहा। दोनों के आग्रह को सुनकर हिरण्यक अपनी व्यथा कथा सुनाने लगा। नगर के बाहर स्थित शिव मंदिर में ताम्रचूड़ नामक एक सन्यासी रहता था। वह नगर में भिक्षा माँगकर सुखपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रहा था। खाने- पीने से बचे अन्न- धान्य को वह प्रत्येक दिन एक भिक्षा पात्र में डालकर रात्रि में खूँटी पर लटकाकर सो जाया करता था। सुबह- सुबह उसे मंदिर के बाहर बैठे भिखारियों में बाँट देता था। इस सब बातों की सूचना हिरण्यक को भी मिली। उसे यह भी पता चला कि ये स्वादिष्ट सामग्री ऊँचाई पर होने के कारण अन्य चूहों को दिक्कत होती है। हिरण्यक ने बताया कि अपने साथी की बात सुनकर एक रात मैं वहाँ आया तथा खूँटी पर लटकी हाँडी पर छलांग लगा दिया तथा हाँडी को नीचे गिरा दिया तथा साथियों के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। अब यह हमारा हर रात का नियम सा बन गया। परेशान होकर सन्यासी एक फटे बांस का डंडा लेकर आया। डंडे की आवाज से हमलोग डर जाते थे, लेन उसके सो जाते ही पुनः हंडिया साफ कर देते थे। एक बार सन्यासी का मित्र वृहतस्फिक तीर्थाटन के उपरांत उससे मिलने आया। रात में सोते समय वृहतस्फिक ने ताम्रचूड़ को अपने तीर्थ का विवरण सुनाने लगा। इस दौरान भी ताम्रचूड़ फटे बाँस का डंडा बजाता रहा, जिससे वृहतास्फिक को बुरा लगा। तब ताम्रचूड़ ने उसे डंडा बजाने की असली वजह बताई। वृहतस्फिक ने जिज्ञासा दिखाते हुए पूछा-- चूहे का बिल कहाँ है? ताम्रचूड़ ने अनभिज्ञता दशार्यी लेकिन यह स्पष्ट था कि जरुर ही यह बिल किसी खजाने पर है। धन की गरमी के कारण ही यह चूहा उतना अधिक ऊँचाई तक कूद सकता है। वृहतास्फिक ने एक कुदाल मँगवाया तथा निश्चित होकर रात में दोनों सो गए। हिरण्यक ने सुनाना जारी रखा। प्रातःकाल वृहतास्फिक अपने मित्र के साथ हमारे पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए हमारे बिल तक आ ही पहूँचे। किसी तरह मैंने अपनी जान बचा ली, परंतु अंदर छिपे कोष को निकाल लिया। कोष के लूट जाने से मेरा उत्साह शिथिल हो गया। इसके बाद मैंने उस खूँट तक पहुँचने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह असफल रही। मैंने धन को पुनः प्राप्त करने की कई कोशिश की, लेकिन कड़ी निगरानी के कारण मुझे वापस नहीं मिल पाया। इस कारण मेरे परिजन भी मुझसे कन्नी काटने लगे थे। इस प्रकार मैं दरिद्रता तथा अपमान की जिंदगी जी रहा था। एक बार मैंने पुनः संकल्प लिया। किसी तरह तकिये के नीचे रखे धन को ला रहा था कि वह दुष्ट संन्यासी की निद्रा भंग हो गयी। उसने डंडे से मेरे ऊपर भयंकर प्रहार किया। मैं किसी तरह जीवित बच पाया। जान तो बच गयी, लेकिन परिवार के लोगों के साथ रहना सम्मानजनक नहीं लगा। और इसीलिए मैं अपने मित्र लघुपतनक के साथ यहाँ चला आया। हिरण्यक की आप बीती सुनकर मंथरक ने कहा-- मित्र निःसंदेह लघुपतनक आपका सच्चा व हितैषी मित्र है। संकट काल में साथ निभानेवाला ही सच्चा मित्र होता है। समृद्धि में तो सभी मित्र होते हैं। धीरे-धीरे हिरण्यक भी अपने धन की क्षति को भूल गया तथा सुखपूर्वक जीवन यापन करने लगा।

लापरवाही को छिपाना

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

हमारे यहां लापरवाही एक विकसित परम्परा है। कोई दुर्घटना, नुकसान होता है तो जांच शुरू होने से पहले लापरवाही छिपाने की कोशिश शुरू हो जाती है। इसे बहुत जरूरी कर्तव्य की तरह निभाया जाता है। चश्मदीद गवाहों को धमकाने और अपराधी बनाने की सुगबुगाहट के साथ ही लापरवाही छिपाने का सिलसिला शुरू हो जाता है।

लापरवाही के नुकसान ही माने जाते हैं। समझदार लोग भी ऐसा ही बताते हैं। बचपन के विशेषज्ञ भी अस्त व्यस्त अभिभावकों को, सलाह देते रहते हैं कि बच्चों की परवरिश में कोताही न बरतें और बच्चों को बताते रहें कि जिंदगी में किसी भी तरह की लापरवाही न करें। वह बात अलग है कि विशेषज्ञ और अभिभावक खुद भी कई मामलों में लापरवाही बरतते हैं और कहते रहते है कि जीवन में ऐसा हो जाता है। हमारे यहां लापरवाही एक विकसित परम्परा है। कोई दुर्घटना, नुकसान होता है तो

जांच शुरू होने से पहले लापरवाही छिपाने की कोशिश शुरू हो जाती है। इसे बहुत जरूरी कर्तव्य की तरह निभाया जाता है। चश्मदीद गवाहों को धमकाने और अपराधी बनाने की सुगबुगाहट के साथ ही लापरवाही छिपाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। उन्हें पूरी सजगता से धमकी देनी जरूरी होती है ताकि सच सामने न आ सके। अगर ऐसा न किया जाए तो आम आदमी तो क्या कोई भी संपन्न व्यक्ति फंस सकता है वह बात दीगर है कि सुरक्षा व्यवस्था द्वारा की गई लापरवाही उन्हें फंसने नहीं देती । आदमी किसी और की जान बचाने तक में लापरवाह हो सकता है लेकिन अपने मामले में गलती से भी हुई लापरवाही छिपाने की कोशिश करता है। जांच के दौरान लापरवाही, चतुराई से छिपा देना एक कला है। इसे उचित तरीके से जांच करना भी कहते हैं। यह मेहनत भरा काम है। लापरवाही छिपी रहे सामने न आए, इस सम्बन्ध में एक पुराने गाने को चार सौ बीस बार आधार बनाया जाता है, परदे में रहने दो पर्दा न उठाओ, पर्दा जो उठ गया तो भेद खुल जाएगा और कईयों को फंसा देगा, जो सुलझे बैठे हैं उन्हें उलझा देगा। लापरवाही छिपाने के बहुत से फायदे हैं। लापरवाही छिपाते हुए हर बात उलझा सकते हैं। बयान और रिपोर्टों को अलग अलग कर सकते हैं। महत्त्वपूर्ण संकेत फाइलें बनाने से पहले ही दफन कर सकते हैं। रिपोर्ट्स को बार बार अधूरी बताकर फिर से लिखित जानकारियां बार बार मांग कर, उनकी लापरवाही पर शक बढ़ाया जा सकता है। सीधे सवालों के, लापरवाही में लिपटे गोल मोल जवाब देने से, ज्यादा समय और पुख्ता मदद मिलती है ताकि बेचारा नतीजा दूर कहीं झुरमुट में फंसा रहे और गलत व्यक्ति को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास सफल हो जाए। यही लापरवाही की सजगता भरी सफलता मानी जाती है। इसका अनुभव बचाव व्यवस्था की बुनियादी खामियों के विशेषज्ञ व्यक्तियों को पहले से होता है। उन्हें लापरवाही से गढ़े आरोपों से निबटना खूब आता है तभी तो जांच एजेंसियों के बीच तालमेल नहीं हो पाता। उनमें लापरवाही संभालने का गहन चारित्रिक अनुभव होता है तभी तो लापरवाही छिपाने का महत्त्वपूर्ण काम उन्हें सौंपा जाता है।

अनुभवी लोगों को ऐसे फंसा भी नहीं सकते। उन्हें भविष्य में भी पूरी जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य निभाते हुए, लापरवाही करने में सक्रिय भूमिका अदा करनी होती है। किसी भी स्तर पर प्रशिक्षण देने की जरूरत, उन्हें नहीं होती। लापरवाही छिपाने का सबसे व्यावहारिक फायदा यह रहता है कि जांच संपन्न हो जाती है लेकिन कार्रवाई नहीं हो पाती। इधर पूरी गोपनीय सतर्कता से लापरवाही छिपाई जा रही होती है और उधर सार्वजनिक रूप से कहा जा रहा होता है कि भविष्य में किसी भी किस्म की लापरवाही बिलकुल बर्दाशत नहीं की जाएगी।

मैनपुरी में इंजेक्शन के बाद विवाहिता की मौत : निजी क्लीनिक पर लापरवाही का आरोप

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। जिले में एक निजी क्लीनिक में इलाज के दौरान 27 वर्षीय विवाहिता की मौत से हड़कंप मच गया। हल्के बुखार का इलाज कराने पहुंची महिला को कथित रूप से गलत इंजेक्शन लगाए जाने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई और कुछ ही घंटों में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने क्लीनिक संचालक पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार, किशनी थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मांगतपुर जोराई निवासी रजनी (27) पत्नी सुधीश अपने मायके गेहूं की कटाई के लिए आई हुई थी। शनिवार दोपहर करीब 3 बजे उसे हल्का बुखार आया, जिसके बाद परिजन उसे भामवत चौराहा स्थित एक निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि क्लीनिक में इलाज के दौरान रजनी को इंजेक्शन लगाया गया, जिसके कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। हालत गंभीर होने पर क्लीनिक में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति बिगड़ती देख परिजन तुरंत उसे जिला अस्पताल की इमरजेंसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद रजनी को मृत घोषित कर दिया। यह घटना शनिवार शाम लगभग 7:30 से 8 बजे के बीच की बताई जा रही है। मृतका के परिजनों ने क्लीनिक संचालक पर गलत उपचार और लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और लोगों में निजी क्लीनिकों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा

भामवत चौराहा चौकी पर शिकायत दर्ज कराई गई है। फिलहाल कोतवाली में कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है, लेकिन मामले की जानकारी ली जा रही है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, रजनी की शादी फिरोजाबाद जनपद के सिरसागंज थाना क्षेत्र के जमाई गांव में हुई थी। मायके में आई रजनी की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। फिलहाल पुलिस और स्वास्थ्य विभाग मामले की जांच में जुटे हैं, जबकि परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं।

दहेज हत्या में पति व सास गिरफ्तार, ट्रांस यमुना पुलिस की कार्रवाई

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र में दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति और सास को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न और प्रताड़ना के आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, 24 अप्रैल 2026 को वादिया ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री को ससुराल पक्ष द्वारा दहेज न लाने पर लगातार गाली-गलौच, मारपीट और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। 23 अप्रैल को उसे फोन के जरिए सूचना मिली कि उसकी पुत्री की हालत गंभीर है। जब वह ससुराल पहुंची तो बताया गया कि उसकी पुत्री ने फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने 25 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर 100 फुटा रोड स्थित सीएनजी पंप के पास से मृतका के पति शिवम निवासी पुष्प बिहार कॉलोनी, कालिंदी बिहार और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया।

फाइनल में किशनी किंग्स ने पांच विकेट जीत दर्ज की:93 रन चेज कर किशनी किंग्स बनी चैंपियन, आशीष यादव चमके

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी के क्रिश्चियन फील्ड में आयोजित एमटीपीएल (मैनपुरी टीचर्स प्रीमियर लीग) के फाइनल मुकाबले में किशनी किंग्स ने मैनपुरी लीजेंड्स को 5 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मैनपुरी लीजेंड्स ने 16 ओवर में 9 विकेट खोकर 92 रन बनाए। अनुरुद्ध ने सर्वाधिक 24 रन बनाए, जबकि प्रशांत और दीपक ने 15-15 रन का योगदान दिया। किशनी किंग्स के लिए सचिन ने 4 विकेट लिए, वहीं अरुणेश, दीपक और राज को 1-1 सफलता मिली।

जवाब में, 93 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी किशनी किंग्स ने 14.2 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आशीष यादव ने 43 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। अरुणेश ने 18 और दीपक ने 15 रन का योगदान दिया। मैनपुरी लीजेंड्स की ओर से राम और कुलप्रताप ने 2-2 विकेट लिए, जबकि राहुल को एक विकेट मिला। हालांकि, वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आशीष यादव को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। मुकाबले का आंखों देखा हाल ऋषि चौहान और नितिन यादव ने सुनाया। स्कोरिंग की जिम्मेदारी नितिन मुकेश और अनुज अवतार ने संभाली, जबकि रवि सिंह और रवि कुमार ने अंपायरिंग की। प्रतियोगिता के समापन पर जिला क्रीड़ा अधिकारी साधना मैडम ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर खिलाड़ियों, शिक्षकों और खेल प्रेमियों में उत्साह देखा गया। मीडिया प्रभारी ऋषि चौहान और प्रशांत ने आयोजन की जानकारी साझा की।

डी.पी.एस.स्कूल में छात्र पर हमला, स्कूल पर लापरवाही के आरोप, हजारों की फीस के बाद भी बच्चे असुरक्षित

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस शास्त्रीपुरम एक बार फिर सवालों के घेरे में है। यहां 10वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच हुई मारपीट ने स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था और जिम्मेदारी पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है, जहां एक छात्र ने अपने ही क्लासमेट के चेहरे पर ताबड़तोड़ पंच मार दिए। इस हमले में छात्र के तीन दांत टूट गए और जबड़े में गंभीर चोट आई, जिससे उसके मुंह से लगातार खून बहता रहा। घायल छात्र के पिता पीयूष मल्होत्रा, जो एक चर्चित सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं, ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि स्कूल ने न तो बच्चे को तत्काल चिकित्सा सुविधा दी और न ही घटना की गंभीरता को सही तरीके से बताया। पीयूष मल्होत्रा के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 7 बजे उन्हें स्कूल से फोन आया कि उनके बेटे को हल्की चोट लगी है और वे आकर उसे ले जाएं। लेकिन जब वह स्कूल पहुंचे तो नजारा चौंकाने वाला था। उनका बेटा खून से लथपथ था, मुंह में रूई ठूंसी हुई थी और एक आया उसे संभालकर बैठाए हुए थी। पिता का आरोप है कि स्कूल ने बच्चे को फर्स्ट एड तक नहीं दी और दर्द से कराहते बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाने की बजाय केवल अभिभावकों को बुलाकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। घायल छात्र को तुरंत यथार्थ हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उसका ऑपरेशन चल रहा है। परिजनों का कहना है कि चोट बेहद गंभीर है और समय पर इलाज न मिलने से स्थिति और बिगड़ सकती थी। इस पूरे मामले में पीयूष मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लोगों से इसे वायरल करने की अपील की है। उन्होंने स्कूल प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि लाखों रुपये की फीस लेने के बावजूद बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर कोई संवेदनशीलता नहीं दिखाई जाती। मामले की शिकायत सिकंदरा थाने में दी गई है। एसीपी अमीषा कुमारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। दोनों छात्र 10वीं कक्षा के हैं और घायल छात्र का अस्पताल में इलाज जारी है।

डीपीएस शास्त्रीपुरम की यह घटना सिर्फ एक मारपीट नहीं, बल्कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था की हकीकत को उजागर करती है। सवाल सिर्फ एक बच्चे का नहीं, बल्कि उन हजारों अभिभावकों का है जो भारी-भरकम फीस देकर अपने बच्चों को सुरक्षित माहौल की उम्मीद में स्कूल भेजते हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी सख्ती दिखाता है और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।

बड़े सवाल जो खड़े हो रहे हैं ?

क्या डी.पी.एस. जैसे बड़े स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित है?

जब छात्र खून से लथपथ था, तो तुरंत मेडिकल सहायता क्यों नहीं दी गई?

क्या स्कूल प्रशासन ने जानबूझकर घटना की गंभीरता छुपाई?

लाखों की फीस लेने वाले स्कूलों में इमरजेंसी सिस्टम आखिर कहां है?

प्रिंसिपल और जिम्मेदार अधिकारियों ने घायल बच्चे का हाल तक क्यों नहीं पूछा?

क्या ऐसे मामलों में स्कूलों की जवाबदेही तय होगी या फिर मामला दबा दिया जाएगा?

मंत्री जयवीर सिंह ने 4 बी-पैक्स का उद्घाटन किया : सहकारिता क्षेत्र में मजबूती, किसानों को फार्मर आईडी बनवाने की अपील

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से चार नई बी-पैक्स (बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियां) का उद्घाटन किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने खरपरी स्थित परिसर में खरपरी, घिटौली, टिंडौली और नैगवां खिरिया नामक इन नवगठित बी-पैक्स का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में किसान, सहकारिता विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि केंद्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद से विभाग में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी सहकारी समितियों के जर्जर भवनों की मरम्मत की गई है और कई नए भवन तथा गोदाम भी निर्मित किए गए हैं। समितियों को 10-10 लाख रुपये की ब्याज रहित ऋण सीमा प्रदान की गई है, जिससे उनके बहुउद्देश्यीय कार्यों को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मंत्री ने आगे कहा कि सहकारी समितियां अब केवल खाद-बीज वितरण तक सीमित नहीं हैं। वे कॉमन सर्विस सेंटर, जनऔषधि केंद्र और दुग्ध व्यवसाय जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इससे किसानों और ग्रामीण आबादी को सीधा लाभ मिल रहा है और सरकार सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का प्रयास कर रही है।

इसी कार्यक्रम में मंत्री जयवीर सिंह ने किसानों से अपनी फार्मर आईडी (किसान पहचान पत्र) जल्द से जल्द बनवाने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में सरकार की सभी योजनाओं का लाभ फार्मर आईडी के माध्यम से ही प्रदान किया जाएगा। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और पात्र किसानों को सीधे लाभ मिल सकेगा। मंत्री ने किसानों को सलाह दी कि वे समय रहते पंजीकरण कराकर सरकारी योजनाओं से जुड़ें, ताकि किसी भी सुविधा से वंचित न रहें। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन नरेंद्र सिंह राठौर, पीसीयू निदेशक शिवदत्तनरायन सिंह भदौरिया, पीसीएफ निदेशक अनुराग पांडे सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे।

इन चार नई बी-पैक्स के शुभारंभ को ग्रामीण सहकारिता और किसानों के लिए एक नई शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उम्मीद है कि इससे ग्रामीण स्तर पर सेवाओं की पहुंच बढ़ेगी और किसानों को आर्थिक तथा संस्थागत मजबूती मिलेगी।

मैनपुरी में चाय की दुकान पर युवक को पीटा: कुर्सियां फेंकी गईं, CCTV वीडियो आया सामने; एसपी ने जांच टीम बनाई

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र में एक चाय की दुकान पर बैठे युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मामूली कहासुनी के बाद शुरू हुआ यह विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस घटना में पीड़ित सोहिल घायल हो गया। पूरी वारदात दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सोहिल अपने साथियों के साथ चाय पी रहा था तभी केशव, शशांक, अमन और अंकुश मौके पर पहुंचे। पहले उनके बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद आरोपियों ने सोहिल पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान रेस्टोरेंट में अफरा-तफरी मच गई और एक-दूसरे पर कुर्सियां भी फेंकी गईं। वायरल वीडियो में कुर्सियां चलते और भगदड़ जैसे हालात साफ देखे जा सकते हैं। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित सोहिल को बचाया। सोहिल का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उसने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि यदि समय रहते लोग बीच-बचाव न करते तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है। वायरल फुटेज के आधार पर पुलिस सबूत जुटाने और घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में एसपी ग्रामीण अभिषेक तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। प्रारंभिक जांच के लिए एक टीम गठित कर दी गई है। वीडियो में दिखाई दे रहे सभी लोगों को चिन्हित किया जा रहा है और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

EVM वेयरहाउस सुरक्षा पर डीएम सख्त, निगरानी के निर्देश:राजनीतिक दलों की मौजूदगी में ईवीएम सुरक्षा जांच, डीएम बोले- चूक बर्दाश्त नहीं

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी में आगामी चुनावों के मद्देनजर ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने तहसील सदर परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस की बाहरी सुरक्षा का निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। डीएम ने सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को पूरी मुस्तैदी और जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि वेयरहाउस परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश वर्जित रहेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी कर्मी प्रतिबंधित सामग्री लेकर अंदर न जाए और सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने, सुरक्षा कर्मियों को नियमित गश्त करने और प्रत्येक शिफ्ट में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के आदेश दिए। डीएम ने लॉगबुक और अन्य पंजिकाओं को अद्यतन रखने, परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि ईवीएम सुरक्षा एक अत्यंत संवेदनशील विषय है, इसलिए ड्यूटी के दौरान हर गतिविधि पर पैनी नजर रखना अनिवार्य है।

इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान कांग्रेस, भाजपा, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और आम आदमी पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति में हुई यह जांच चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जनता का विश्वास बनाए रखने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

अपर जिलाधिकारी श्यामलता आनंद सहित निर्वाचन कार्यालय के अन्य अधिकारी भी मौके पर उपस्थित थे। प्रशासन ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी इस तरह के निरीक्षण नियमित रूप से जारी रहेंगे।

महिला आरक्षण पर वार, पंचायत चुनाव टलने के संकेत: मैनपुरी में जयवीर बोले- महिला अधिकार रोकने वालों पर देशभर में आक्रोश

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मैनपुरी में आयोजित महिला जन आक्रोश अभियान में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष पर तीखा हमला बोला। मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने भ्रम फैलाकर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के सरकार के प्रयासों को बाधित किया है।

जयवीर सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया है, जिससे उनमें व्यापक आक्रोश है। उन्होंने बताया कि इसी नाराजगी को व्यक्त करने के लिए मैनपुरी में यह अभियान आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर से बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। मंत्री ने दावा किया कि यह आक्रोश केवल मैनपुरी तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में विपक्ष के खिलाफ महिलाओं का गुस्सा देखा जा रहा है।

परिसीमन से जुड़े सवालों पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहती थी कि महिला आरक्षण आगामी लोकसभा चुनाव से पहले लागू हो, लेकिन विपक्षी दलों के रुख के कारण इसमें देरी हुई। जयवीर सिंह ने अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उनके बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जो लोग 2034 तक की बात कर रहे हैं, उनकी सोच महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने वाली नहीं है।

डिंपल यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जयवीर सिंह ने कहा कि भाजपा की मंशा महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने की रही है, जबकि विपक्ष ने इस प्रयास को रोका है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो दल स्वयं को महिलाओं का हितैषी बताते हैं, वे अब बेनकाब हो चुके हैं।

बंद घर में चोरी का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, 4 हजार रुपये बरामद

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना मदन मोहन गेट पुलिस ने बंद घर का ताला तोड़कर आभूषण व नकदी चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 4 हजार रुपये बरामद किए हैं, जबकि उसके दो साथी अभी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 को वादी ने सूचना दी थी कि वह 19 अप्रैल को परिवार सहित शादी में गया था। 20 अप्रैल की सुबह लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर रखे सोने-चांदी के आभूषण व नकदी चोरी हो चुकी थी। इस पर थाना मदन मोहन गेट में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 24 अप्रैल को एसएन मेडिकल कॉलेज के पास लॉन्ड्री के नजदीक से हिमांशु नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी के 4 हजार रुपये बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने दो साथियों अमित और छोटू के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था और बरामद रकम उसके हिस्से की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अपने साथियों के साथ चोरी का माल बांटने के लिए ही मौके पर मौजूद था, तभी उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

एऊके दुरुपयोग से लोकतंत्र पर खतरा : मैनपुरी में डिंपल यादव बोलीं- भाजपा एजेंसियों के सहारे विपक्ष को डराने में जुटी

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी के भोगांव बस स्टैंड के सामने स्थित शिव वाटिका में आयोजित समाजवादी पार्टी की बैठक में सांसद डिंपल यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी दलों को दबाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ED) जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है।

एजेंसियों के जरिए दबाव

डिंपल यादव ने कहा कि सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को मानसिक और राजनीतिक रूप से परेशान करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि इस तरह की कार्रवाई से निष्पक्ष राजनीति प्रभावित होती है और जनता का विश्वास भी कमजोर होता है।

चुनाव आते ही बदल जाते हैं मुद्दे

उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, वैसे-वैसे नए मुद्दे सामने लाकर जनता का ध्यान असली समस्याओं से भटकाया जाता है। बेरोजगारी, महंगाई और बुनियादी जरूरतों जैसे मुद्दों से ध्यान हटाने की कोशिश की जाती है, लेकिन अब जनता इन रणनीतियों को समझने लगी है।

दलबदल पर सख्ती की मांग

राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के मुद्दे पर उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी पार्टी के समर्थन से संसद तक पहुंचते हैं, उनके पार्टी छोड़ने पर सदस्यता समाप्त होनी चाहिए। इसे उन्होंने जनता और पार्टी दोनों के साथ विश्वासघात बताया और दलबदल के खिलाफ सख्त कानून की जरूरत बताई।

धार्मिक बयानों और संस्थाओं की निष्पक्षता पर भी सवाल

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि धार्मिक गुरुओं को जिम्मेदारी के साथ समाज को जोड़ने वाला संदेश देना चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डिंपल यादव का स्वागत किया और क्षेत्र की समस्याएं भी उनके सामने रखीं। यह बैठक आगामी राजनीतिक रणनीति और संगठन को मजबूत करने के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

मैनपुरी में 495 किलो चरस-गांजा नष्ट : बाजार में 4 करोड़ 5 लाख रुपए कीमत, ऑपरेशन दहन के तहत कार्रवाई

मॉर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी पुलिस ने ऑपरेशन दहन के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपये के मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया। जनपद के थाना बिछवां और घिरोर में दर्ज 24 मामलों से जब्त किए गए कुल 494.731 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थों का विनिष्टीकरण किया गया।

नष्ट किए गए मादक पदार्थों में चरस और गांजा शामिल थे, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ 5 लाख रुपये बताई गई है। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए की गई।

मादक पदार्थों को गडेरी स्थित ग्रीन हाउस वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड में उच्च क्षमता वाले इंसीनरेटर के माध्यम से भस्मीभूत किया गया। पूरी प्रक्रिया पर्यावरण सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए संपन्न हुई। विनष्टीकरण की यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अभिषेक तिवारी की उपस्थिति और गठित ड्रग डिस्पोजल कमेटी की कड़ी निगरानी में पूरी की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह केवल नशे के जखीरे को खत्म करने की कार्रवाई नहीं, बल्कि नशा कारोबारियों के लिए एक सख्त चेतावनी भी है।

पुलिस का कहना है कि उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के तहत जनपद में नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। "ऑपरेशन दहन" इसी व्यापक अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना है।

मैनपुरी पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद में नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। अपराध और अपराधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत भविष्य में भी ऐसी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

लगभग 495 किलोग्राम मादक पदार्थों को एक साथ नष्ट करने की यह कार्रवाई जनपद में अब तक की सबसे बड़ी ड्रग डिस्पोजल कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। इस कदम को नशे के खिलाफ प्रशासनिक सख्ती और कानून व्यवस्था के मजबूत संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

15 दिन में सुधार नहीं तो सख्त कार्रवाई: एसएन मेडिकल कॉलेज में निर्माण कार्यों पर डीएम का अल्टीमेटम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शनिवार को एसएन मेडिकल कॉलेज परिसर का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति और गुणवत्ता में खामियों पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि 15 दिन के भीतर कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तो संबंधित निर्माणदायी संस्थाओं के खिलाफ शासन स्तर पर सख्त कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। डीएम ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया, जहां सर्जरी, अस्थि रोग, बाल रोग, पैथोलॉजी, सीटी स्कैन, ओटी और ब्लड लैब की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। इसके बाद उन्होंने लेडी लॉयल अस्पताल विस्तारीकरण फेज-1, मेडिकल कॉलेज ब्लॉक और यूजी/पीजी हॉस्टल निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में सामने आया कि मई 2025 से शुरू हुए लेडी लॉयल अस्पताल प्रोजेक्ट में अब तक करीब 35 प्रतिशत ही कार्य पूरा हुआ है। मौके पर श्रमिकों की भारी कमी भी पाई गई–जहां 800 श्रमिकों की जरूरत है, वहां मात्र 350 कार्यरत मिले। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए निर्माण एजेंसी को फटकार लगाई और श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। मेडिकल कॉलेज ब्लॉक की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। यहां केवल एक ब्लॉक तैयार हुआ है और कुल प्रगति लगभग 21 प्रतिशत बताई गई। डीएम ने कार्य की धीमी गति पर असंतोष जताते हुए समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। यूजी/पीजी हॉस्टल निर्माण में भी गंभीर खामियां पाई गईं। दो वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। निरीक्षण के दौरान निर्माण गुणवत्ता में कमी, पिलर-बीम डिजाइन में त्रुटियां और कंक्रीट कार्य में मानकों की अनदेखी सामने आई। डीएम ने स्वयं इमारत के ऊपरी तल तक जाकर निरीक्षण किया और दोषियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी के लिए जिलास्तरीय कमेटी गठित की जाए और प्रतिमाह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। निरीक्षण के दौरान निर्माण स्थल पर धूल नियंत्रण के उपाय न होने और सामग्री बिखरी मिलने पर भी डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा डीएम ने सुपरस्पेशलिटी ब्लॉक का भी निरीक्षण कर वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि यहां करीब 40 प्रतिशत मरीज अन्य जिलों से उपचार के लिए आते हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, सीएमओ डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. प्रशांत गुप्ता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दहेज के लिए प्रताड़ना, विवाहिता का आरोप–पति ने जबरन चार बार कराया गर्भपात

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है, जिसमें एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न और जबरन गर्भपात कराने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं। पुलिस आयुक्त के आदेश पर मामले में पति समेत छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बिचपुरी के चौहटना गांव निवासी सलोनी ने शिकायत में बताया कि उसकी शादी 28 नवंबर 2021 को मिनी एमआईजी सेक्टर-7, जगदीशपुरा निवासी राजेश चौधरी से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने उस पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया। पति, सास उज्जवला, ससुर सोनवीर सिंह, ननद प्रियंका व राधिका और देवर रजनीकांत पर दो लाख रुपये नकद और एक बाइक की मांग करने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता का कहना है कि मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उसने आरोप लगाया कि उसकी इच्छा के विरुद्ध चार बार गर्भपात कराया गया, जिससे उसकी सेहत पर गंभीर असर पड़ा। विरोध करने पर उसे घर से निकाल दिया गया। मामले को लेकर पीड़िता ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गुरुवार को थाना जगदीशपुरा में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल में यंग मास्टर शेफ- फायरलेस एडिशन 2026 का भव्य आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा, 25 अप्रैल। युवाओं की रचनात्मकता और पाक कला को मंच देने के उद्देश्य से डॉ. एमपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी ऑपरेशंस विभाग द्वारा यंग मास्टर शेफ- फायरलेस एडिशन 2026 प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। डॉ. एमपीएस वर्ल्ड स्कूल परिसर में आयोजित इस अनूठी प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के 15 से 22 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की खास बात ह्यफायरलेस कुकिंग रही, जिसमें बिना गैस या चूल्हे के प्रतिभागियों ने स्वादिष्ट, स्वास्थ्यवर्धक और आकर्षक व्यंजन तैयार कर निर्णायकों को प्रभावित किया। प्रतिभागियों ने सलाद, सैंडविच, शेक्स, डेसर्ट और फ्यूजन फूड की विविध श्रृंखला प्रस्तुत की, जिनका मूल्यांकन स्वाद, स्वच्छता, प्रस्तुतीकरण और पोषण मूल्य के आधार पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यक्ष स्क्वाड्रन लीडर ए.के. सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पोषण और शुद्धता का महत्व बढ़ गया है, ऐसे आयोजनों से युवाओं में नवाचार और जीवन कौशल का विकास होता है। महानिदेशक अक्षय सिंह ने भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता में सिदकप्रीत एवं अथर्व ने प्रथम, निष्ठा चौधरी एवं निधि परिहार ने द्वितीय तथा पलक एवं अदिति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा ह्यशेफ चॉइस अवार्डह्ल के तहत विभिन्न प्रतिभागियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। निर्णायक मंडल में होलीडे इन के एग्जीक्यूटिव शेफ रोहित चौहान, एफ एंड बी मैनेजर राहुल कुमार सिंह, कोर्टयार्ड मैरियट के एग्जीक्यूटिव शेफ उत्पल डे, एमकेओपी के फाउंडर वेद पाल धर और जेपी पैलेस के शेफ हिम्मत सिंह सिकरवार शामिल रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुति का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अकादमिक निदेशक डॉ. विक्रांत शास्त्री ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता का समन्वयन हिमांशु आर्या ने किया, जबकि संचालन सिमरन विज ने किया। इस अवसर पर संस्थान के डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक-शिक्षिकाएं, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई से पटरी पर लौटी बिजली व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। शहर में खंडित विद्युत आपूर्ति की स्थिति का संज्ञान लेते हुए दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता अरविंद नायक ने नगरीय विद्युत खंड-द्वितीय को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता के नेतृत्व में विभागीय टीमों ने तेजी दिखाते हुए प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर तकनीकी खामियों को दूर किया, जिससे अधिकांश इलाकों में बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी गई।

अभियान के तहत पड़ियावली, सासनी गेट, सराय रहमान, जमालपुर, सुरेंद्रनगर, विक्रम कॉलोनी और ओजोन सिटी समेत कई क्षेत्रों में आई समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। निरीक्षण में केबल फाल्ट, ट्रांसफार्मर खराबी, ओवरलोडिंग तथा पेड़ों की टहनियों के संपर्क से लाइन बाधित होने जैसी समस्याएं सामने आईं, जिन्हें प्राथमिकता पर ठीक कराया गया। कई स्थानों पर कुछ ही घंटों में आपूर्ति बहाल कर दी गई, जबकि जटिल कार्य भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए गए।मुख्य अभियंता ने बताया कि भविष्य में ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, लाइन सुधार, ट्रांसफार्मर की नियमित निगरानी और पेड़ों की छंटाई का कार्य तेज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति देना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए फील्ड स्तर पर मॉनिटरिंग और अधिक सुदृढ़ की गई है। साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि नेगेटिव बैलेंस वाले स्मार्ट मीटर प्रीपेड उपभोक्ताओं के कनेक्शन विच्छेदन के बाद जैसे ही उपभोक्ता धनराशि जमा करें, उनका संयोजन तत्काल पुनः जोड़ दिया जाए। सभी अधिकारियों को अपने मोबाइल नंबर सक्रिय रखने और उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि किसी भी विद्युत समस्या की सूचना तुरंत हेल्पलाइन या स्थानीय कार्यालय को दें, ताकि शीघ्र निस्तारण किया जा सके।

स्मार्ट सिटी कार्य के दौरान धंसी मिट्टी, मलबे में दबे एक मजदूर की गई जान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। शनिवार को रेलवे रोड पर सड़क निर्माण और नाला खोदाई के दौरान हादसा हो गया। अचानक मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। मलबे में राजकुमार, राहुल और महेंद्र दबे थे। राहुल और राजकुमार को सकुशल निकाल लिया गया था। महेंद्र की मौत हो गई है।

इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय व्यापारियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए अपर नगर आयुक्त का घेराव किया।घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य मजदूरों और राहगीरों ने कड़ी मशक्कत कर दबे हुए मजदूरों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही नगर निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। एक मजदूर महेंद्र की हालत नाजुक देखते हुए नगर निगम की टीम उसे तत्काल उपचार के लिए ले जाने लगी। टीम घायल मजदूर को पहले जेएन मेडिकल कॉलेज ले जाना चाहती थी, लेकिन वहां हड़ताल की खबर मिलते ही उन्हें अपना इरादा बदलना पड़ा। समय की नजाकत को देखते हुए अधिकारियों ने मजदूर को आनन-फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां महेंद्र की उपचार के दौरान मौत हो गई। बाहर निकल गए मजदूर राजकुमार ने बताया कि सुरक्षा मानको की अनदेखी की जा रही थी और जबरन काम कराया जा रहा था।

हादसे के बाद रेलवे रोड के व्यापारी आक्रोशित हो उठे। व्यापारियों ने अपर नगर आयुक्त का घेराव करते हुए कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। व्यापारियों का आरोप है कि बिना सुरक्षा मानकों के खुदाई का काम किया जा रहा है। घनी आबादी और व्यस्त बाजार होने के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। निर्माण कार्य की कछुआ चाल से व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

रेलवे ट्रैकमैन की ट्रेन से कटकर मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़ के दाऊद खा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक रेलवे ट्रैकमैन की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हाथरस जंक्शन थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी रविकांत (32) पुत्र दौजी राम के रूप में हुई है। रविकांत वर्ष 2015 से रेलवे में ग्रुप-डी कर्मचारी के रूप में कार्यरत थे। वह वर्तमान में दाऊद खा हेडक्वार्टर में ट्रैकमैन-2 के पद पर तैनात थे। उनके भाई लवली ने बताया कि रविकांत के दो अन्य भाई भी हैं, जिनमें से एक प्रवीण कानपुर में रेलवे टीटी हैं। यह घटना 24 अप्रैल 2026, शुक्रवार को शाम करीब 6:50 बजे हुई। रविकांत ड्यूटी के दौरान दाऊद खा स्टेशन से हाथरस की ओर जा रहे थे, तभी वह जम्मू मेल (ट्रेन नंबर 8102) की चपेट में आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रविकांत अपने पीछे पत्नी अंजू देवी (28), छह साल का बेटा युवान्स और पांच साल की बेटी दुव्यांसी को छोड़ गए हैं। उनके परिवार में वृद्ध माता-पिता भी हैं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिये जाने वाले राज्य स्तरीय

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग व्यक्तियों एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले व्यक्तियों, जनपद, प्रदेश, स्वैच्छिक संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। जिसके दृष्टिगत पात्र व्यक्ति एवं संस्थाएं 15 जुलाई तक आवेदन पत्र कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुरस्कार के लिये पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र उनकी उपलब्धियों से संबंधित अभिलेखीय साक्ष्यों के साथ कार्यालय, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी में 15 जुलाई तक जमा करें। जिससे पुरस्कार के लिये अग्रिम कार्यवाही की जा सके।

दंपती को ट्रक ने रौंदा पत्नी की मौत, पति घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

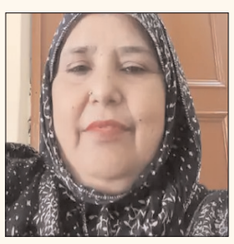

अलीगढ़। शनिवार को थाना क्वार्सी क्षेत्र में एक सड़क हादसे में रिटायर्ड फौजी की पत्नी की मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 1:30 बजे धोर्रा माफी की पुलिया पेट्रोल टंकी के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने दंपत्ति को टक्कर मार दी।हादसे में 54 वर्षीय तस्लीम की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पति सुलेमान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सुलेमान करीब डेढ़ साल पहले ग्वालियर से फौज से रिटायर हुए थे। दंपत्ति के तीन बच्चे हैं। दो बेटे जावेद, मुबीन और एक बेटी रुखसाना। परिवार इस घटना से सदमे में है। थाना क्वार्सी पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और चालक की तलाश जारी है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला आरक्षण पर मध्य प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र

प्रधानमंत्री मोदी के विजन को मिशन बना रहे मोहन यादव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भारत में महिलाओं को राजनीति में उनका वास्तविक हक दिलाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जहां केंद्र सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से ऐतिहासिक पहल की नींव 2023 में रखी थी, हाल ही में संविधान संशोधन बिल पारित नहीं होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि वे महिलाओं को हर हाल में आरक्षण दिलाकर रहेंगे। प्रधानमंत्री के संकल्प को पूरा करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव कदम से कदम मिलाकर उनके साथ आगे बढ़ रहे हैं। इस संकल्प को पूरा करने के लिए मोहन यादव हर स्तर पर संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने भरी गर्मी और तेज-तीखी धूप में सड़क पर महिलाओं के आरक्षण की आवाज बुलंद की। अब मध्य प्रदेश की विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर वे महिलाओं के हक की आवाज लोकतंत्र के मंदिर में भी पुरजोर तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। इधर कांग्रेस दिल्ली से लेकर भोपाल तक महिला आरक्षण को लेकर नकारात्मक रुख अपनाए हुए है।

महिलाओं के अधिकार की लड़ाई को जनांदोलन बनाने की कोशिश

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि महिला आरक्षण केवल एक विधेयक या संवैधानिक प्रावधान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक न्याय का प्रश्न है। इसी सोच के साथ उन्होंने इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। वे इस विषय को लेकर हर स्तर पर सक्रिय हैं। प्रदर्शन, रैलियां और मार्च के माध्यम से उन्होंने यह संदेश देने की कोशिश की है कि महिलाओं को उनका राजनीतिक हक दिलाना अब केवल सरकारी एजेंडा नहीं, बल्कि एक व्यापक जन आंदोलन है।

कांग्रेस का नकारात्मक रूप

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लोकसभा में रखे गए तर्क और बयान यह स्पष्ट संकेत देते हैं कि पार्टी महिला आरक्षण जैसे ऐतिहासिक और संवेदनशील विषय पर ठोस, सकारात्मक और प्रतिबद्ध रुख अपनाने में असहज है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के वक्तव्यों में समर्थन की स्पष्टता से अधिक संशय, शर्तें और आपत्तियां प्रमुख रहीं, जिसने उनके वास्तविक इरादों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह परिदृश्य इस धारणा को बल देता है कि कांग्रेस महिलाओं को व्यापक और निर्णायक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के मुद्दे पर अभी भी द्वंद्व की स्थिति में है। मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस का यही चेहरा सामने आता है। यहां के नेताओं के बयान और राजनीतिक व्यवहार यह दर्शाते हैं कि महिला नेतृत्व को सशक्त बनाने के बजाय उसे सीमित दायरे में ही रखा गया। वास्तविकता यह है कि प्रदेश कांग्रेस ने वर्षों तक महिला नेताओं को उभरने और निर्णायक भूमिका निभाने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। ऐसे में, जब देश महिला भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में अग्रसर है, कांग्रेस का यह असंगत और नकारात्मक रुख न केवल उसकी राजनीतिक सोच को उजागर करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि पार्टी अब भी महिला नेतृत्व को लेकर पूर्ण आत्मविश्वास नहीं जुटा पाई है।

विशेष सत्र: 27 अप्रैल को बड़ा राजनीतिक संदेश

मध्य प्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाया गया है। यह सत्र अपने आप में यह साबित करता है कि राज्य सरकार इस मुद्दे को लेकर कितनी गंभीर है। इस विशेष सत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री मोहन यादव यह बताना चाहते हैं कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की दिशा में मध्य प्रदेश अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस दिशा में यह सत्र न केवल समर्थन का मंच बनेगा, बल्कि महिला आरक्षण को लेकर राज्य की प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप से सामने लाने का अवसर भी होगा। सदन में इस मुद्दे पर व्यापक और विस्तार पूर्वक चर्चा होगी। जिसमें पक्ष-विपक्ष के सदस्य अपनी-अपनी राय रखेंगे। यह राय विधानसभा के इतिहास में दर्ज होगी। साथ ही यह भी इतिहास बनेगा कि महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष सत्र आहूत करवाया और खुले मन से इस विषय पर पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को बोलने का अवसर प्रदान किया।

खैर में चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा होगी स्थापित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। खैर क्षेत्र के बाराहा इलाके में पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा स्थापित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। उन्हें किसानों का मसीहा माना जाता था।यह महत्वपूर्ण फैसला क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, किसानों और सामाजिक कार्यकताओं की उपस्थिति में लिया गया। इस पहल को चौधरी जयंत सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त है। उनके निर्देश पर, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चौधरी पी.के. सिंह ने चयनित स्थल का विधिवत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हजारों की संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे, जिससे इस निर्णय के प्रति व्यापक जनसमर्थन स्पष्ट दिखाई दिया। समाजसेवी और रियल एस्टेट कारोबारी विशाल तेवतिया और सतेन्द्र चौधरी ने स्वर्गीय चौधरी अजित सिंह के किसान हितों के लिए किए गए संघर्ष और योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा न केवल उनके व्यक्तित्व और कार्यों का प्रतीक होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी हम्मीर सिंह, समाजसेवी एवं रियल एस्टेट कारोबारी विशाल तेवतिया और सतेन्द्र चौधरी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू,18 केंद्रों पर 50 हजार रुपए से अधिक अभ्यर्थी, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा 25 अप्रैल 2026 से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई है। यह परीक्षा 25, 26 और 27 अप्रैल तक लगातार तीन दिनों तक आयोजित की जाएगी। इस भर्ती प्रक्रिया में 50 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं, जिसे प्रशासन एक बड़ी चुनौती के रूप में देख रहा है। परीक्षा के पहले दिन दो पालियां निर्धारित की गई हैं। 9रू30बजे गेट बन्द,पहली पाली सुबह 10रू00 बजे से दोपहर 12रू00 बजे तक आयोजित होगी , जबकि दूसरी पाली दोपहर 3रू00 बजे से शाम 5रू00 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 8352 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। जनपद में कुल 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। अभ्यर्थियों को प्रवेश से पहले सघन चेकिंग से गुजरना पड़ रहा है। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए भी विशेष प्रोटोकॉल लागू किया गया है। चिरंजी लाल बालिका इंटर कॉलेज जैसे परीक्षा केंद्रों पर सुबह की पाली के लिए अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां एडमिट कार्ड और पहचान पत्र के सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी स्तरों पर सख्ती बरती जा रही है। कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के कारण परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो रही है।

मंत्री बेबी रानी मौर्य ने किया अलीगढ़ दौरा , रैली व समीक्षा बैठक में लिया भाग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य कल 26 अप्रैल को अलीगढ़ के दौरे पर रही। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह एक बजे सर्किट हाउस अलीगढ़ पहुंची। दोपहर चार बजे मंत्री जी ने अलीगढ़ में आयोजित नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान के अंतर्गत जन आक्रोश महिला सम्मेलन में भाग लिया । यह कार्यक्रम श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय के शेखर सर्राफ सभागार में आयोजित हुआ , जिसके आयोजक महानगर अध्यक्ष इंजी0 राजीव शर्मा रहे। कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी, जनजागरूकता एवं सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री जी ने सायं 5 बजे प्रस्थान किया।

छोटी खबरें

हाथरस में पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 9 अधिकारियों के तबादले

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनपद में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने शनिवार को पुलिस विभाग में व्यापक फेरबदल किया। इस दौरान चार इंस्पेक्टर और पांच उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार, मुरसान के कोतवाली निरीक्षक वीरेंद्र प्रताप गिरी को विशेष जांच प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। उनकी जगह कोतवाली सदर की आगरा रोड चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक अरविंद कुमार को मुरसान का नया कोतवाली प्रभारी नियुक्त किया गया है।कोतवाली चंदपा में तैनात इंस्पेक्टर (क्राइम) जयप्रकाश को सादाबाद का अपराध निरीक्षक बनाया गया है, जबकि सादाबाद में तैनात नदीम असगर को सम्मन सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है।इंस्पेक्टर अवधेश कुमार को अपर पुलिस अधीक्षक के वाचक पद से हटाकर लोक शिकायत प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सुनील कुमार वर्मा को लोक शिकायत प्रकोष्ठ से स्थानांतरित कर वाचक अपर पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।इसके अलावा तीन पुलिस चौकियों के प्रभारियों में भी बदलाव किया गया है। उपनिरीक्षक सत्यपाल यादव को पुलिस लाइन से आगरा रोड चौकी (सदर कोतवाली) का प्रभारी बनाया गया है। यदुनाथ सिंह को देदामई चौकी (थाना सासनी) से हटाकर मेंडू गेट चौकी (कोतवाली) का प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं देवेंद्र पाल सिंह को मुरसान थाना से स्थानांतरित कर देदामई चौकी (थाना सासनी) का प्रभारी बनाया गया है।पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि यह फेरबदल पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

खेत की रखवाली कर रही महिला को दबंगों ने पीटा, घर में घुसकर की मारपीट और तोड़फोड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव मिया नगला में नामजदों ने एक महिला और उसके परिजनों पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित महिला ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार गांव मियां नगला निवासी रंजीत कुमार की पत्नी श्रीमती प्रीति पत्नी ने कोतकवाली में घटना की तहरीर देते हुए बताया कि घटना शाम करीब 6 बजे की है। उस समय वह अपने खेतों पर ककड़ी (खीरा) आदि फसलों की देखभाल कर रही थी। आरोप है कि तभी गांव की ही नामजद आए और फसल को नुकसान पहुंचाने लगे। जब इसका विरोध किया, तो गाली-गलौज करते हुए डंडे से हमला कर दिया, जिससे पीड़ित की आंख के नीचे चोट आई। पीड़िता का आरोप है कि जब वह घायल अवस्था में अपने घर पहुंची, तो नामजद वहां भी आ गए। उसने शोर मचाकर अपने भाइयों को बुला लिया। तीनों ने मिलकर घर के अंदर घुसकर पीड़ित के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की, और घर में तोड़फोड़ की। बीच-बचाव करने आई पीड़ित की सास और देवर को भी नामजदों ने बेरहमी से पीटा। बताया जा रहा है कि मारपीट में सास के हाथ में और देवर की आंख पर गंभीर चोटें आई हैं। पीड़िता ने बताया कि आरोपी दबंग किस्म के लोग हैं और अब उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक विपिन चैधरी के संज्ञान में मामला आने के बाद, पुलिस ने तहरीर के आधार पर उचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

आयुष्मान योजना की समीक्षा में लापरवाही पर चेतावनी, एक दिन में आईडी सक्रिय करने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक हसायन और हाथरस की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी गई।निर्देश दिए गए कि सभी ऑपरेटर आईडी एक दिन के भीतर शत-प्रतिशत सक्रिय की जाएं। यदि ऐसा नहीं होता है तो संबंधित के खिलाफ जिम्मेदारी तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी प्रभारी चिकित्साधिकारी और बीपीएम को प्रतिदिन क्षेत्र में भ्रमण कर कैंपों में बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश दिए गए।नोडल अधिकारी डॉ. मधुर कुमार ने अपील करते हुए कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक और योजना के पात्र लाभार्थी अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र, आशा, पंचायत सहायक या सीएचओ से संपर्क कर जल्द से जल्द आयुष्मान कार्ड बनवाएं, ताकि वे योजना का लाभ ले सकें।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव रॉय, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मधुर कुमार, डॉ. प्रभात कुमार सिंह, लेखेंद्र भारद्वाज, महीपाल सिंह सहित सभी बीपीएम, बीसीपीएम और आयुष्मान मित्र उपस्थित रहे।

बीएसए कार्यालय में हंगामा, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी निलंबित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। बेसिक शिक्षा विभाग में अनुशासनहीनता के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है। उस पर कनिष्ठ सहायक के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।प्रभारी बीएसए शशिबाला के अनुसार, आरोपी कर्मचारी नरेंद्र कुमार सिंह ने एमडीएम कंप्यूटर ऑपरेटर सोनू शर्मा के माध्यम से कनिष्ठ सहायक संदीप कुमार से बात कराने के लिए फोन कराया। आरोप है कि फोन न उठाने पर वह नाराज हो गया और सीधे कार्यालय पहुंच गया।कार्यालय में पहुंचते ही उसने संदीप कुमार के कक्ष में गाली-गलौज शुरू कर दी और धमकाने लगा। आरोप है कि उसने हाथापाई की कोशिश की और जूता निकालकर मारने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, कार्यालय में रखी कुर्सी उठाकर हमला करने की भी कोशिश की।घटना के दौरान शोर सुनकर अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंच गए, जिससे मामला बढ़ने से बच गया। इस दौरान आरोपी द्वारा अधिकारियों के प्रति भी अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने की बात सामने आई है।मामले को गंभीर मानते हुए प्रभारी बीएसए ने आरोपी कर्मचारी नरेंद्र कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है और आगे की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

भागवत कथा में राम जीवन आदर्शों का संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जयपुर-मथुरा-बरेली-कासगंज राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित गांव जैतपुर के दिव्य योग कला मंदिर में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा में आचार्य कलाधर महाराज ने श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और मर्यादा का संदेश दिया।कथा के दौरान राम जन्म, सीता स्वयंवर, वनगमन, शबरी प्रसंग और सुकदेव प्रसंग का वर्णन किया गया। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने माता-पिता और गुरु की आज्ञा का पालन कर आदर्श जीवन का मार्ग दिखाया। शबरी प्रसंग के माध्यम से समाज में समरसता का संदेश दिया गया।कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इस दौरान नीरज शर्मा, विपिन शर्मा, आरपी शर्मा, राजकुमार शर्मा, सत्यपाल सिंह, सतेन्द्र सिंह, महीपाल सिंह, ऋषि कुमार, रुद्र प्रताप सिंह, मनोज कुमार जादौन सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रगतिशील मानवाधिकार मानव सेवा संघ के नेतृत्व में श्याम नगर जलेसर मार्ग स्थित जनपदीय कार्यालय पर डॉ. भीमराव आंबेडकर का 135वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके विचारों को याद करते हुए सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम में बीरी सिंह, सूरज पाल सिंह राघव, राजेंद्र सिंह राना, डॉ. अवनीश झा, देवेंद्र कुमार शर्मा, मनोज प्रताप सिंह चौहान, डॉ. नरेंद्र सिंह, कुलदीप झा, सौरभ शर्मा और सनी माहौर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अज्ञात महिला का सामाजिक सहयोग से कराया गया अंतिम संस्कार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मानव अधिकारों के संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्यरत एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स के सहयोग से अज्ञात महिला के शव का विधिवत दाह संस्कार कराया गया। यह कार्य समाजसेवी सुनीत आर्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें निस्वार्थ सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुनील अग्रवाल का भी सहयोग रहा।जानकारी के अनुसार 22 अप्रैल 2026 को थाना हाथरस गेट क्षेत्र के सोखना फाटक के पास रेलवे लाइन किनारे करीब 80 वर्षीय महिला का शव मिला था। महिला ने पीली कुर्ती, लाल चुनरी और नीला पेटीकोट पहन रखा था। पुलिस ने शव की पहचान के लिए 72 घंटे तक प्रयास किए, लेकिन शिनाख्त न होने पर शव को लावारिस घोषित करते हुए पोस्टमार्टम कराया गया।इसके बाद पुलिस ने समाजसेवियों से अंतिम संस्कार कराने का अनुरोध किया। जिस पर समाजसेवी सुनीत आर्य और प्रवीन वार्ष्णेय ने आगे आकर अज्ञात महिला का हिंदू रीति-रिवाज से दाह संस्कार कराया।अंतिम संस्कार के दौरान प्रवीन वार्ष्णेय, सुनीत आर्य, सुनील अग्रवाल, दीपक, बंटी, नीरज गोयल, दीपांशु वार्ष्णेय, अंकित कुमार, कांस्टेबल अतुल जनमेदा और महिला कांस्टेबल श्वेता चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

निस्वार्थ सेवा संस्थान की पहल, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को मिली स्वास्थ्य सुरक्षा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मानवता और सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए निस्वार्थ सेवा संस्थान ने आगरा रोड स्थित एक वृद्धाश्रम में सराहनीय सामाजिक पहल की। संस्थान के सदस्यों ने यहां रह रहे बुजुर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दो आधुनिक कीट-नाशक (इंसेक्ट किलर) मशीनें भेंट कीं।

मच्छरों व अन्य कीटों से फैलने वाली बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरे को देखते हुए यह कदम उठाया गया। बुजुर्गों की कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता को ध्यान में रखते हुए यह पहल उनके लिए राहतभरी साबित होगी।कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने मशीनों को स्थापित करवाने के साथ बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। संस्थान की ओर से आश्रम कर्मचारियों को मशीनों के संचालन और रखरखाव की जानकारी भी दी गई।वृद्धाश्रम प्रबंधन और बुजुर्गों ने इस पहल के लिए आभार जताते हुए कहा कि इससे उन्हें सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण मिलेगा। साथ ही यह समाज के अन्य लोगों को भी ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करेगा।संस्थान लंबे समय से शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सेवा के क्षेत्र में सक्रिय है। इस अवसर पर नीरज गोयल, हिमांशु गौड़, चंद्र प्रकाश अग्रवाल, तरुण राघव, सतेंद्र मोहन, स्वदेश वार्ष्णेय, अवधेश कुमार बंटी, विशाल सोनी, सौरभ शर्मा, आलोक अग्रवाल, यश वार्ष्णेय, अतीश अग्रवाल, राहुल वार्ष्णेय और शिवम सोनी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

चंदपा थाने में युवक की मौत पर सपा नेताओं ने की कार्रवाई की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। थाना चंदपा में पुलिस अभिरक्षा के दौरान युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं प्रदेश कमेटी सदस्य रामनारायण काके ने कहा कि चंद्रपाल दिवाकर की मौत गंभीर मामला है और इसमें शामिल जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी

उन्होंने मृतक के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली।बताया गया कि मौके पर ही पुलिस अधीक्षक से फोन पर वार्ता कर जल्द न्याय दिलाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की गई।इस दौरान नेत्रपाल सिंह राजपूत, हेमंत गौड़, आजाद कुरैशी, राधेश्याम रजक, पिंटू दिवाकर, चिंकू शर्मा, ताराचंद कुशवाहा, मनीष कुशवाहा और मोहित कश्यप एडवोकेट सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग पिला रहे रेलयात्रियों को गर्मी में पानी

मानसिक मन्द बुद्धि दिव्यांग सशक्तीकरण सेवा संस्था कर रही पुण्य कार्य

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए मानसिक मंदबुद्धि दिव्यांग सशक्तिकरण सेवा संस्था ने मानवता की मिसाल पेश की है। सासनी के गांव तिलौठी निवासी संस्था अध्यक्ष योगेश कुमार यादव ने अपनी टीम के साथ सक्रिय भूमिका निभाते हुए उत्तर मध्य रेलवे के तत्वावधान में संस्था द्वारा रेल यात्रियों के लिए निःशुल्क ठंडा पेयजल वितरण अभियान चलाया गया। संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्य हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पहुंचे जहां स्वयं दिव्यांग होते हुए लोगों की सेवा में जुट गये। और रेल में यात्रा कर रहे यात्रियों को ठंडा जल पिलाकर राहत पहुंचाई। अभियान का नेतृत्व उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज के उपमहाप्रबंधक अतुल मिश्रा ने किया। इस दौरान उपमहाप्रबंधक ने दिव्यांगों के इस जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि सेवा का यह भाव समाज के लिए प्रेरणादायी है। इस पुनीत कार्य में उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज की परामर्शदात्री समिति के सदस्य रामगोपाल दीक्षित, स्थानीय रेल अधिकारियों और रेल प्रशासन का भरपूर सहयोग रहा। भीषण गर्मी में ठंडा पानी पीकर यात्रियों के चेहरे खिल उठे। जल सेवा में दिव्यांग अध्यक्ष संतोष तोमर, राकेश तोमर, निर्भय गुप्ता, मुरारी लाल शर्मा, त्रिलोकी नाथ वाष्णेय, इरशाद सिद्दीकी, निर्भय कुमार, अमित कुमार और ज्ञानेंद्र कुमार आदि ने बढ़-चढ़कर श्रमदान किया।

चुनाव समय पर कराने की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने चुनाव समय पर कराने की मांग उठाई है। इस संबंध में केबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण को ज्ञापन सौंपा गया। भारतीय किसान यूनियन चौधरी चरण सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने भी प्रधानों के समर्थन में अपनी बात रखी।ज्ञापन में कहा गया कि यदि पंचायत चुनाव समय पर नहीं कराए जाते हैं तो प्रशासन नियुक्त न किया जाए। प्रधानों ने वर्ष 2021 के दौरान कोरोना काल में लगाए गए प्रशासनिक प्रबंधों का हवाला देते हुए उसे दोहराने का विरोध किया।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों में कराए गए विकास कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। समय पर चुनाव कराए जाने से किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी, लेकिन देरी होने पर प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने से विकास कार्यों पर असर पड़ सकता है।

एसडीएम सुनी थाना समाधान दिवस जनसमस्यायें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शासन के निदेर्शानुसार जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी नीरज शर्मा की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसका संचालन प्रभारी निरीक्षक श्रीमती विपिन चौधरी ने किया।

शनिवार को लगाएगये समाधान दिवस के दौरान क्षेत्र से आए फरियादियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। एसडीएम नीरज शर्मा ने शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित राजस्व और पुलिस कर्मियों को मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि जमीन से जुड़े विवादों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी चाहिए ताकि विवाद को जड़ से खत्म किया जा सके। प्रभारी निरीक्षक श्रीमती विपिन चैधरी ने मातहतों को निर्देशित किया कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। समाधान दिवस में लगभग आधा दर्जन से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश मामले अवैध कब्जे, चकरोड विवाद और आपसी बटवारे से संबंधित रहे। कुछ शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया, जबकि शेष के लिए समय सीमा निर्धारित कर संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। इस अवसर पर राजस्व विभाग के कानूनगो प्रमोद अग्निहोत्री, लेखपाल विवेक वार्ष्णेय, सचिन शर्मा,मोहसिन खान के अलावा वरिष्ठ उपनिरीक्षक सनी पवार, एस आई यतेंद्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे ।

यूपी बोर्ड परिणाम में कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा परिणामों में क्षेत्र के कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय का परिणाम शानदार रहने से छात्राओं और शिक्षकों में खुशी का माहौल रहा।

प्रधानाचार्या डॉ. उमा कुमारी और प्रबंधक दीपेश भार्गव के अनुसार, इस वर्ष हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 98.03 प्रतिशत रहा, जबकि इंटरमीडिएट में 98.93 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। दोनों ही कक्षाओं में छात्राओं ने उच्च अंक प्राप्त कर विद्यालय और अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया।परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल बन गया। छात्राओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी साझा की। प्रधानाचार्या ने इस सफलता का श्रेय छात्राओं की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सक्षम हैं, बस उन्हें सही दिशा और अवसर मिलने चाहिए।प्रबंधक दीपेश भार्गव ने सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की। मेधावी छात्राओं ने अपनी सफलता का राज नियमित अध्ययन और शिक्षकों के नोट्स को बताया। विद्यालय प्रबंधन ने आगामी सत्र में और बेहतर परिणाम की उम्मीद जताई है।

नए आयकर अधिनियम 2025 पर बैठक, सरल और पारदर्शी व्यवस्था पर जोर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। आयकर कार्यालय में नए आयकर अधिनियम-2025 को लेकर अधिवक्ताओं और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के साथ बैठक आयोजित की गई।

इसमें आयकर अधिकारी नीतीश वर्मा, रंजना अग्रवाल और आयकर निरीक्षक प्रशांत गहलोत ने अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी।बैठक में बताया गया कि नए आयकर अधिनियम का उद्देश्य मौजूदा आयकर अधिनियम 1961 के जटिल प्रावधानों को सरल, सुव्यवस्थित और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाना है।

इसमें धाराओं का युक्तिकरण, भाषा की अस्पष्टता में कमी, डिजिटल अनुपालन और प्रत्यक्ष मूल्यांकन पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही मुकदमों में कमी लाने और पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि नए प्रावधानों की जानकारी देने के लिए समय-समय पर बैठक, गोष्ठी, आउटरीच कार्यक्रम और सेमिनार आयोजित किए जाएंगे, ताकि करदाता, व्यापारी और अधिवक्ता इससे अवगत हो सकें।चर्चा में डिस्टिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बीके शर्मा, चार्टर्ड अकाउंटेंट लोकेश वार्ष्णेय, रामकुमार शर्मा, भुवनेश वार्ष्णेय, दुर्गेश चतुर्वेदी, आकाश ठाकुर, प्रमोद कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

9 मई को दीवानी न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता हाथरस। दीवानी न्यायालय में आगामी 9 मई 2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि इस लोक अदालत में आपसी सुलह-समझौते के आधार पर लंबित मुकदमों का निस्तारण किया जाएगा।उन्होंने सभी विभागों को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निपटारा हो सके। साथ ही आमजन से भी अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने विवादों का शीघ्र समाधान कराएं।अपर जनपद न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनु चौधरी ने बताया कि लोक अदालत में बैंक संबंधी प्रकरण, धारा-138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम के मामले, वसूली वाद, सिविल व आपराधिक सुलह योग्य वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, स्टाम्प, उपभोक्ता फोरम, राजस्व, श्रम, चकबंदी, नगर पालिका टैक्स और विद्युत अधिनियम से जुड़े मामलों का निस्तारण किया

अलावा पुलिस अधिनियम, मोटर यान अधिनियम, दुकान एवं वाणिज्य अधिनियम, आबकारी अधिनियम, गैम्बलिंग एक्ट, नगर पालिका चालान, दाखिल-खारिज, मनरेगा, शिक्षा का अधिकार, जलकर, गृहकर, आपदा राहत, कराधान, राशन कार्ड तथा जाति और आय प्रमाण पत्र से जुड़े मामलों को भी लोक अदालत में सुलझाया जाएगा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने लंबित मामलों का आपसी सहमति से निस्तारण कराने की अपील की है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू, 12 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई। यह परीक्षा 27 अप्रैल तक जिले के 12 केंद्रों पर प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रत्येक पाली में 4416 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं।

परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और भारी पुलिस बल तैनात रहा। अभ्यर्थियों को गहन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया, इस दौरान जूते-मोजे तक उतरवाकर तलाशी ली गई।परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी अतुल वत्स और पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने एमजी पॉलीटेक्निक केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम का जायजा लेते हुए कैमरों के माध्यम से परीक्षा कक्षों की निगरानी की और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने बताया कि सभी 12 केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में संचालित हो रही है। गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, छाया और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर मेडिकल टीम भी तैनात की गई है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, व्यवस्थित और सुचारु रूप से कराई जाए तथा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं में कोई कमी न रहे। निरीक्षण के दौरान सीओ सदर, सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परशुराम जयंती पर विशेश्वर धाम में हवन-पूजन, भंडारे में उमड़ी भीड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। नगर के कोठी कैस्त स्थित विशेश्वर धाम मंदिर परिसर में भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन से हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुति देकर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। सर्वसमाज के लोगों ने आयोजन में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। हवन के उपरांत मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया। नवनियुक्त ब्राह्मण स्वाभिमान समिति के अध्यक्ष रामरूप दुबे और कार्यक्रम संयोजक ऋषिकांत चतुर्वेदी ने कहा कि भगवान परशुराम शक्ति, धर्म और न्याय के प्रतीक हैं। उनके आदर्श समाज में एकता और भाईचारे का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद चेयरमैन सत्यनारायण संखवार सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति और स्थानीय लोगों का विशेष सहयोग रहा। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और जयकारों की गूंज बनी रही।

यूपी बोर्ड में सुघर सिंह इंटर कॉलेज का शानदार प्रदर्शन, 6 छात्र प्रदेश मेरिट में शामिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम में चौधरी सुघर सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कॉलेज के 6 छात्र-छात्राओं ने प्रदेश मेरिट में स्थान बनाया, जबकि इंटर के 10 और हाईस्कूल के 14 छात्र जिले की टॉप-10 सूची में शामिल हुए हैं।

परिणाम घोषित होते ही कॉलेज परिसर में जश्न का माहौल बन गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे। एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई और जमकर उत्सव मनाया गया। हाईस्कूल में प्रख्या भदौरिया ने 582 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल किया। सृष्टि ने 581 अंकों के साथ छठवां और सुशांत ने 578 अंकों के साथ नौवां स्थान प्राप्त किया। वहीं दिव्यांशी, प्रिया और आस्था ने 577 अंक हासिल कर प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट में मृदुल ने जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। टॉपर्स के कॉलेज पहुंचने पर उनका बैंड-बाजों के साथ स्वागत किया गया और पुष्प वर्षा कर उन्हें सम्मानित किया गया। पूरे परिसर में खुशी का माहौल बना रहा। कॉलेज के प्रबंध निदेशक अनुज मोंटी यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

12 घंटे में लापता बालक बरामद, परिजनों को सौंपा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रूरा (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के ग्राम काशीपुर से लापता हुए 12 वर्षीय बालक को पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। जानकारी के अनुसार काशीपुर निवासी बाल गोविंद सिंह ने थाना रूरा में तहरीर देकर बताया कि उनके साले का पुत्र चाहत (12) पुत्र दिनेश सिंह निवासी कुरहां (जनपद बांदा) उनके पास रहकर पढ़ाई करता है। गुरुवार को वह दोपहर करीब तीन बजे कोचिंग पढ़ने गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। तहरीर मिलने पर थाना रूरा पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर बालक की तलाश शुरू की। सघन खोजबीन और लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने करीब 12 घंटे के भीतर ही बालक को काशीपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। बरामदगी के बाद बालक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि ह्यऑपरेशन स्माइलह्ल के तहत बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं, परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की प्रशंसा की।

सीडीओ ने राजपुर ब्लॉक का किया औचक निरीक्षण, चौपाल में परखी योजनाओं की हकीकत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने शुक्रवार को राजपुर विकासखंड क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही ब्लॉक कार्यालय और संबंधित अधिकारियों में हलचल मच गई। सीडीओ ने सबसे पहले रसधान पंचायत स्थित गौशाला और जूनियर विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने राजपुर ब्लॉक और बीआरसी कार्यालय का निरीक्षण करते हुए पत्रावलियों, अभिलेखों और किट का परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ कांधी गांव पहुंचे, जहां उन्होंने चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान उन्होंने आवास, शौचालय, खड़ंजा, विकलांग, वृद्धा और विधवा पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली और उनकी जमीनी हकीकत परखी। ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी उनके सामने रखीं। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि चौपाल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी हर गांव तक पहुंचाई जाए। इस मौके पर बीडीओ हरगोविंद गुप्ता, खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप निरंजन, एडीओ पंचायत मुलायम सिंह, चंद्र प्रताप, अखिलेश कुमार, विनोद कटियार, अमित कुमार, रामसूरत सहित कई अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

एएसपी संजय वर्मा का बलिया स्थानांतरण, पुलिस लाइन में विदाई समारोह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

माती (कानपुर देहात)। अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर संजय वर्मा के स्थानांतरण पर पुलिस लाइन में भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। शासन के निर्देश पर उनका स्थानांतरण अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) के पद पर जनपद बलिया किया गया है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी सेवा के दौरान कुशलता, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ जनपद की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं भी दीं। समारोह में पुलिस अधीक्षक ने संजय वर्मा को प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ और उपहार देकर सम्मानित किया। वहीं, जनपद के क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी और अन्य अधिकारियों ने भी उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अनुभवों को साझा किया। अंत में भावुक माहौल के बीच उन्हें विदाई दी गई और उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

अक्षय तृतीया पर जैन समाज की महिलाओं ने किया गन्ने के रस का वितरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर नगर में भक्ति और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। जैन समाज की महिला मंडल द्वारा भगवान आदिनाथ के प्रथम आहार की स्मृति में गन्ने के रस का वितरण किया गया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान आदिनाथ को दीर्घ तपस्या के बाद गन्ने के रस का प्रथम आहार कराया गया था। इसी परंपरा को निभाते हुए जैन महिला मंडल पिछले 26 वर्षों से यह आयोजन करती आ रही है। इस अवसर पर भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालुओं को गन्ने का रस वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही, जिसने सामाजिक एकता का संदेश भी दिया। इस तरह नगर में अक्षय तृतीया का पर्व श्रद्धा, सेवा और परंपरा के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया।

स्मार्ट मीटरों के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

महोबा। जिले में स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों को लेकर बढ़ते विरोध के बीच शिवसेना ने प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित चार सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को दिया।

शुक्रवार को शिवसेना पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और स्मार्ट मीटरों के खिलाफ नारेबाजी की। जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लागू होने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल दो से तीन गुना तक बढ़ गए हैं। साथ ही नेटवर्क समस्या के कारण रिचार्ज अपडेट नहीं होता और बिना सूचना के बिजली काट दी जाती है। उन्होंने मांग की कि विवादित स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुराने मीटर दोबारा लगाए जाएं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। हिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष माया सैनी ने कहा कि महंगे बिलों के कारण मध्यम और गरीब वर्ग पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। बार-बार बिजली कटने से बच्चों की पढ़ाई और घरेलू कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मांग पत्र शासन को भेजा जाएगा और स्थानीय स्तर पर विद्युत विभाग के माध्यम से कैंप लगाकर बिल संबंधी समस्याओं की जांच कराई जाएगी। स्मार्ट मीटरों को लेकर बढ़ते विरोध के बीच अब लोगों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी है।

विशेष शिविर में 12 दिव्यांगों ने कराया पंजीकरण, योजनाओं की दी जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। ब्लॉक सभागार में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से आयोजित विशेष शिविर में 12 दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराया। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और उनके परिजन उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान बैसाखी, व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल (हैंड व पैडल संचालित) और रिक्शा जैसे सहायक उपकरणों की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें आगे की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में डॉ. विष्णु मेहरोत्रा, डॉ. राजुल आनंद, सीएमओ कार्यालय से अभिषेक अंकित, एडीओ समाज कल्याण वेदप्रकाश और दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय से रोहित बाबू ने सहयोग किया। इसके अलावा सामाजिक संगठनों की भी सक्रिय भागीदारी रही। आधुनिक विद्या मंदिर शिक्षा समिति के ओमप्रकाश, ग्रामीण महिला उत्थान समिति के सुघर सिंह, समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी अधिकार मित्र राजेंद्र यादव और लालमन बाथम ने शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया। शिविर में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान, वृद्धावस्था पेंशन, शादी-विवाह प्रोत्साहन, दुकान निर्माण एवं संचालन और कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

स्कूल गेट के सामने धंसी सड़क, गहरे गड्ढे से हादसे का खतरा; विभागीय लापरवाही पर उठे सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। शहर में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एक बार फिर सवालों के घेरे में है। बालाजी पुरम स्थित जीएल पब्लिक स्कूल के गेट के ठीक सामने सड़क अचानक धंस गई, जिससे वहां गहरा गड्ढा बन गया है। स्कूल के सामने बने इस खतरनाक गड्ढे से स्कूली छात्र-छात्राओं और राहगीरों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सड़क हाल ही में बनी थी, लेकिन कुछ ही महीनों में उसकी हालत खराब हो गई। भाजपा नेता केके भारद्वाज ने बताया कि इस मार्ग पर पहले भी कई बार निर्माण कार्य हो चुका है, बावजूद इसके समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2009 में यहां सीवर लाइन डाली गई थी, इसके बाद सड़क का निर्माण हुआ। वर्ष 2018 में दोबारा सड़क बनाई गई और 2021-22 में गंगाजल पाइपलाइन डाली गई। हाल ही में अक्टूबर 2025 में नगर निगम ने फिर से सड़क का निर्माण कराया था, लेकिन अब सड़क धंसने से निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्कूल के सामने बने इस गड्ढे के कारण हर समय दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। सुबह और दोपहर के समय जब बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल आते-जाते हैं, तब स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। अभिभावकों और स्थानीय लोगों में इसको लेकर आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि आजम खान रोड पर मेनहोल के ढक्कन बार-बार टूटने की समस्या भी बनी रहती है, जिससे आए दिन हादसे की आशंका बनी रहती है। शहर के कई प्रमुख स्कूल—गायत्री पब्लिक स्कूल, सेंट फेलिक्स, सेंट पीटर्स और जू हाई स्कूल—के आसपास भी इसी तरह की समस्याएं सामने आती रही हैं। लोगों का आरोप है कि बार-बार निर्माण के बावजूद स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा, जिससे सरकारी धन की बबार्दी के साथ आम जनता की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने नगर निगम और संबंधित विभागों से तत्काल गड्ढे को भरवाने और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर विभागीय लापरवाही कब तक आम लोगों की सुरक्षा पर भारी पड़ती रहेगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने फांसी लगाई, जांच में जुटी पुलिस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सट्टी (कानपुर देहात)। थाना सट्टी क्षेत्र के दिवैर की मड़ैया गांव में गुरुवार देर रात एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी प्रियंका देवी (30) पत्नी बबलू कुमार ने कमरे की छत पर लगे लोहे के कुंडे से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। रात में जब पति की नींद खुली तो पत्नी को चारपाई पर न देखकर उसने कमरे में जाकर देखा, जहां वह फंदे से लटकी मिली। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि पति शराब का आदी है और आए दिन दंपति के बीच विवाद होता था। थानाध्यक्ष कालीचरन ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी हो सकेगी।

यातायात अभियान में 263 वाहनों का चालान, दो वाहन सीज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से जनपद पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के तहत 263 वाहन चालकों का चालान किया गया, जबकि दो वाहनों को सीज किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान में बिना नंबर प्लेट, ट्रिपल राइडिंग, हेलमेट न पहनने और बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जनपद में अपराध नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए चलाया गया। साथ ही वाहन चालकों से अपील की गई कि वे नियमों का पालन करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

जर्जर बिजली तार टूटने से किसान की मौत, ग्रामीणों में आक्रोश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

राजपुर (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के वैना गांव में जर्जर विद्युत तार टूटकर गिरने से एक किसान की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई।

जानकारी के अनुसार किसान अमित कुमार उर्फ अन्नू सविता खेत से गेहूं का भूसा ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर घर लाए थे। वह भूसा उतार रहे थे, तभी ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की लाइन का जर्जर तार अचानक टूटकर गिर गया और उसकी चपेट में आ गए। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गए। घायल अवस्था में परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर ले गए, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बिजलीघर में ताला डाल दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर तारों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और पूर्व में भी इस तरह की घटनाओं में कई लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सूचना पर पहुंची थाना राजपुर पुलिस ने ग्रामीणों और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रेस क्लब इटावा कराएगा नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। प्रेस क्लब इटावा की कार्यकारिणी बैठक में पत्रकारों एवं उनके परिजनों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष दिनेश शाक्य ने की, जिसमें संगठन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

निर्णय के अनुसार 25 अप्रैल को सुबह 9 बजे से जीजीआईसी स्कूल, ईदगाह के पास स्थित अदिति आई अस्पताल में शिविर आयोजित होगा।

शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपा गौर की देखरेख में जांच की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश शुक्ला को ह्यअमृत विचारह्ल का ब्यूरो चीफ बनाए जाने पर उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। इस दौरान अध्यक्ष दिनेश शाक्य ने कहा कि उनकी नियुक्ति से जनपद की पत्रकारिता को मजबूती मिलेगी। बृजेश शुक्ला ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में नए पत्रकारों को सदस्यता भी प्रदान की गई तथा पत्रकार हित, सुरक्षा और विकास कार्यों की कवरेज को लेकर चर्चा हुई। वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेश मिश्रा ने कहा कि प्रेस क्लब आगे भी पत्रकारों के हित में ऐसे आयोजन करता रहेगा। इस मौके पर प्रेस क्लब जसवंतनगर के अध्यक्ष प्रेम कुमार शाक्य ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए नियमित बैठकों पर जोर दिया। बैठक में भरथना, सैफई सहित विभिन्न क्षेत्रों के पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

गार्ड भर्ती शिविर में नहीं जुटे अभ्यर्थी, दो दिन में सिर्फ तीन पहुंचे

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर (इटावा)। ब्लॉक परिसर में आयोजित सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर भर्ती का दो दिवसीय शिविर अभ्यर्थियों की कमी के चलते अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। जहां सैकड़ों युवाओं के पहुंचने की उम्मीद थी, वहीं दो दिन में मात्र तीन अभ्यर्थी ही इंटरव्यू के लिए पहुंचे। भर्ती प्रक्रिया से जुड़े रिक्रूटमेंट इंस्पेक्टर प्रेम प्रकाश ने बताया कि शिविर के माध्यम से करीब 450 पदों पर भर्ती की जानी थी। यह निजी और सरकारी संस्थानों में रोजगार पाने का अच्छा अवसर था, लेकिन क्षेत्र के युवाओं ने इसमें खास रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने बताया कि आए तीन अभ्यर्थियों में से दो का चयन कर लिया गया, जबकि एक अभ्यर्थी निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतर सका। शिविर में शारीरिक दक्षता परीक्षण और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की भी व्यवस्था की गई थी। आयोजकों का मानना है कि जानकारी के अभाव और जागरूकता की कमी के चलते अभ्यर्थियों की संख्या कम रही। ब्लॉक स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के बावजूद युवाओं की उदासीनता देखने को मिली।

बरौर थाना में पुलिसकर्मियों का सम्मान, अंबेडकर जयंती रैली में सहयोग के लिए जताया आभार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

भोगनीपुर (कानपुर देहात)। बरौर थाना परिसर में पुलिसकर्मियों के सम्मान में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ह्लएक उम्मीद जन कल्याण सेवा समितिह्ल की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सीता यादव अपने पदाधिकारियों के साथ उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चरण सिंह, राजेश गौतम, शिव गोपाल शर्मा, पूनम गौतम सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर निकाली गई रैली के दौरान पुलिस प्रशासन द्वारा दिए गए सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करना था। समारोह में थाना प्रभारी महेश कुमार सहित सभी पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि रैली को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने में पुलिस की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम के आयोजक राजेश गौतम ने आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने पुलिस प्रशासन की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समाज में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का योगदान महत्वपूर्ण है।

छोटी खबरें

इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई अविका महाजन, सांसद ने सम्मानित कर बढ़ाया हौसला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिले के प्रतिष्ठित व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष रिंकू महाजन की सुपुत्री अविका महाजन ने इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी प्राप्त कर परिवार व जनपद का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है और बधाइयों का तांता लगा हुआ है। इसी क्रम में एटा-कासगंज के सांसद देवेश शाक्य ने अविका महाजन को अपने आवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया। सांसद ने बिटिया को मिठाई खिलाकर उसकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और उपहार भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अविका की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अविका को आगे भी इसी प्रकार मेहनत करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए मुकाम हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। परिवारजनों ने भी अविका की इस सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे जनपद के लिए गौरव का क्षण बताया।

टेज्न की चपेट में आकर युवक की मौत, शव को भेजा पोस्टमार्टम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली थाना क्षेत्र के रतनपुर फतियापुर के समीप ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर शव कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त के बाद पुलिस ने परिजनों को दुर्घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार की सुबह साढ़े दस जे पुलिस को जानकारी मिली कि रतनपुर फतियापुर गांव के समीप ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत की सूचना मिली। जानकारी मिलते ही पटियाली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटना स्थल का मुआयना किया। पुलिस की मानें तो प्रथम दृष्टया युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। मृतक की शिनाख्त 40 वर्षीय जयमुद्दीन पुत्र शमसुद्दीन निवासी लोदीपुर थाना कम्पिल जनपद फरुर्खाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना से अवगत कराया है। पुलिस की मानें तो परिजनों के आने के बाद ही युवक की मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

अमांपुर में एक शाम बाबा के नाम संकीर्तन का हुआ आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर कस्बा के मोहल्ला गुड़मंडी में बीती रात एक शाम बाबा के नाम संकीर्तन हुआ। इस दौरान कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए और लोगों की तालियां बटोरीं। भजनों की धुन पर श्रद्धालु रातभर झूमते रहे। संकीर्तन श्याम बाबा कमेटी ने कराया। कीर्तन का शुभारंभ रात नौ बजे अखंड ज्योति प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुआ। बाबा का भव्य श्रृंगार और छप्पन भोग सजाया गया। भजन गायक यश सिंघल मथुरा, सुरभि गुप्ता, नम्रता गुप्ता, जबलपुर, साक्षी शुक्ला, अरुण कुमार ने हारे के सहारे आजा, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है समेत अन्य भजन सुनाए तो पूरा पांडाल बाबा के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में इत्र वर्षा और पुष्प वर्षा की गई। देर रात बाबा की महाआरती हुई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में अंशुल गुप्ता, प्रिंस गोयल, चीकू सुनार, हर्ष गुप्ता, गौरव गुप्ता, आयुष गुप्ता, नब्बू गुप्ता, राजू गुप्ता, सुमित, अतुल गुप्ता, रोहित माहेश्वरी, अमन माहेश्वरी, पारस गुप्ता, ऋषभ देव गुप्ता, अरुण गुप्ता, भोला गुप्ता समेत अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

छात्र को साइकिल देकर किया सम्मानित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा कस्बा के क्यूएच इंटर कालेज के छात्र योगेश कुमार ने वर्ष 2026 की हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में 91.16 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, योगेश की इस उपलब्धि से विद्यालय प्रबंधक समिति ने उसे रेंजर साइकिल देकर सम्मानित किया है। साथ ही कक्षा 11 का सम्पूर्ण कोर्स, एक बैग भी दिया है और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विद्यालय के फाउंडर अब्दुल वकील एवं सगीर अहमद ने कहा कि मेहनत, लगन और अनुशासन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अन्य छात्रों से योगेश से प्रेरणा लेने की बात कही है। इस मौके पर प्रधानाचार्य महेश चंद्र, केके वशिष्ठ, मुन्नालाल गुप्ता, विमलकांत शाक्य, दिव्यांशु चैहान, अंकित श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद रहे।

घर में कार्य कर रही महिला को सांप ने काटा, भर्ती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। पटियाली थाना क्षेत्र के गांव दीवान नगर में शनिवार की दोपहर एक महिला को सांप ने डस लिया। उसे उपचार के लिए पटियाली सीएचसी में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लगभग 25 वर्षीय मीना पत्नी ललित अपने घर में घरेलू कार्य कर रही थी। इसी दौरान अचानक एक सांप ने उनके दाएं पैर में दंश मार दिया। सांप के काटते ही महिला ने चीखपुकार शुरू कर दी। परिजन उसे तुरंत ही स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे भर्ती करके उपचार शुरू कर दिया। डा. आकाश पुंढीर ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद महिला खतरे से बाहर है।

भाजपा ने जन आक्रोश महिला पद यात्रा का किया आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज/न्यौली। भारतीय जनता पार्टी नगरिया मण्डल ने शनिवार को जन आक्रोश महिला पद यात्रा का आयोजन कराया। पद यात्रा मण्डल अध्यक्ष मनोज चैहान ने नेतृत्व में संपंन हुई। पद यात्रा का शुभारम्भ दुर्गा मन्दिर से मुख्य अतिथि जिलामंत्री विजय लक्ष्मी कश्यप ने झंडी दिखाकर किया। यात्रा का समापन गन्ना समिति कार्यालय पर किया गया। इस दौरान जिला मंत्री एवं मुख्य अतिथि विजय लक्ष्मी कश्यप ने कहा कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी पार्टियों ने हमेशा महिलाओं के साथ छल किया है। अब देश की आधी आबादी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो चुकी है, सभी विपक्षी दलों को नारी शक्ति मुंह तोड़ जवाब देगी। मण्डल अध्यक्ष मनोज चैहान ने कहा कि भाजपा ने हमेशा मातृशक्ति का सम्मान किया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख बृजेन्द्र सिंह गौर ने कहा कि अब ये इक्कीसवीं सदी का भारत है, इसमें देश की आधी आबादी को अनदेखा नहीं किया जा सकता, सभी साथ मिलकर चलेंगे तभी देश आगे बढ़ेगा। महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष लक्ष्मी सोलंकी ने कहा कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना है तो आधी आबादी को समुचित भागीदारी देनी ही होगी। इस दौरान प्रियंका पुंढीर, नीलम सोलंकी, शिवा सोलंकी, निदा खान, हिमानी मौर्य , प्रधान पूनम बघेल, मणि गांधी, प्रिया कश्यप, आशा साहू, नेहा चैहान, कुमकुम बघेल, लवली सोलंकी, दिव्यांशी राजपूत, मधु अहेरिया, दीपिका, नंदिनी साहू समेत अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

तीन दिनों में उन्नीस हजार आठ अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आंकड़ों की बात करें तो प्रत्येक पाली में 3161 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं और इन तीन दिनों में 6 पालियों में कुल 19008 अभ्यर्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे. भीषण गर्मी को देखते हुए प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए छाया और ठंडे पीने के पानी के विशेष इंतजाम किए थे, जिस पर अभ्यर्थियों ने संतोष व्यक्त किया. हालांकि, आधार कार्ड प्रमाणीकरण की प्रक्रिया के चलते परीक्षा छूटने में कुछ देरी जरूर हुई, लेकिन पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही।

लव मैरिज के छह माह बाद नवविवाहिता का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप, पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम

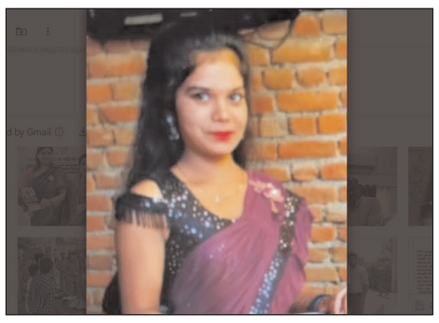

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के नगला गुलाबी गांव में एक 20 वर्षीय नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ससुराल स्थित घर के अंदर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में मायके पक्ष ने दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार नगला गुलाबी निवासी पारस की शादी करीब छह माह पूर्व सोरों के रामनगर निवासी कमलेश की 20 वर्षीय पुत्री प्रभा के साथ प्रेम विवाह के रूप में हुई थी। बताया जा रहा है कि दोनों ने आपसी सहमति से शादी की थी, लेकिन शादी के बाद से ही पारिवारिक संबंधों में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। शनिवार को प्रभा का शव उसके घर के अंदर पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। बेटी का शव देख परिजनों में कोहराम मच गया और वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर प्रवेश राणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साथ ही फोरेंसिक टीम को भी बुलाकर साक्ष्य एकत्र किए गए। मृतका के पिता कमलेश ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभा के जेठ सुभाष, अवनीश, सास सोहदरा, सुभाष की पत्नी पुष्पा और अवनीश की पत्नी सुमन आए दिन उसके साथ मारपीट करते थे। कमलेश का कहना है कि शुक्रवार की रात इन सभी ने मिलकर उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर प्रवेश राणा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है।

कड़ी सुरक्षा के बीच होमगार्ड भर्ती परीक्षा पहले दिन शांतिपूर्ण संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के पहले दिन प्रशासन की कड़ी सुरक्षा और चाक-चैबंद व्यवस्थाएं देखने को मिलीं। जिले में कुल नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। एसपी ओमप्रकाश सिंह ने खुद परीक्षा केंद्रों का मोर्चा संभाला चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल और सीसीटीवी की निगरानी के बीच अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई।

गर्मी के बावजूद प्रशासन की पुख्ता व्यवस्थाओं के बीच पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के पहले दिन प्रशासन की कड़ी सुरक्षा और चाक-चैबंद व्यवस्थाएं देखने को मिलीं। जिले में कुल नौ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा को शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह खुद मैदान में उतरे और केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए गेट पर ही सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए परीक्षार्थियों के जूते-चप्पल, घड़ी और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बाहर ही उतरवा लिए गए। सीसीटीवी कैमरों की तीसरी नजर से हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है.

लकड़ी से भरे टैज्क्टर ने बाइक में मारी टक्कर, ससुर की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अमांपुर थाना क्षेत्र के महेशपुर गांव के निकट हुई दुर्घटना में बाइक सवार ससुर की मौत हो गई, जबकि पुत्रवधू गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। सूचना के बाद परिवारीजन भी पहुंच गए। अधेड़ को मृत देखकर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई करने की बात कही है।

घटनाक्रम के अनुसार अमांपुर के गांव डेंगरी निवासी वेदराम अपनी पुत्रवधू अनामिका को होमगार्ड की परीक्षा दिलाने जा रहे थे। परीक्षा केंद्र हाथरस जिले में बना था। बाइक से घर से निकलकर वह अमांपुर क्षेत्र के ही महेशपुर गांव के समीप पहुंचे, तभी लकड़ी से भरे ट्रैक्टर ट्राली के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार ससुर-पुत्रवधू छिटककर दूर जा र गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही थाना पुलिस पहुंच गई। पुलिस घायलों को लेकर जिला अस्पताल जा रही थी, तभी रास्ते में वेदराम की मौत हो गई। सूचना के बाद परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंच गए। अधेड को मृत देखकर परिवार में कोहराम शुरू हो गया। महिला का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है और तहरीर मिलने पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करने की बात कही है।

विश्व मलेरिया दिवस पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

मलेरिया मच्छर जनित रोग है, किसी भी प्रकार का पानी इकट्ठा न होने दे-सीएमओ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर एक गोष्ठी का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजीव अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। गोष्ठी में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य सभी अधिकारी एवं कर्मचारियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा आपने अपने विचार व्यक्त किए गये। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा इस अवसर पर मलेरिया रोग के कारणों,उपचार एवं बचाव के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा समस्त अधिकारयों एवं कर्मचारियो को मलेरिया एवं अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण एवं उपचार हेतु शपथ दिलाई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जनमानस से अपील की गई कि मलेरिया मच्छर जनित रोग है अतः मच्छरों के नियंत्रण हेतु किसी भी प्रकार का पानी इकठ्ठा न होने दें। घरों के अंदर रखे कूलर, गमलों, फ्रिज एवं अन्य कबाड़ जिसमें पानी एकत्रित होता है उन्हें नियमित जांचते रहें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करे, घरों के खिड़कियों एवम दरवाजों पर जाली लगवाएं। यदि बुखार आता है तो तत्काल सरकारी चिकित्सालय जाकर खून की जांच कराए, जनपद की समस्त चिकित्सा इकाइयों पर जांच उपकरण एवं दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

निजी स्कूलों में एनसीईआरटी लागू करने व फीस वृद्धि पर रोक की मांग को लेकर लखनऊ में धरना

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। अखंड आर्यावर्त निर्माण संघ के बैनर तले राजधानी लखनऊ में विधानसभा के निकट महात्मा गांधी पार्क में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेश शर्मा के नेतृत्व में किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। धरने के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन लखनऊ प्रशासन को भी सौंपा गया।

ज्ञापन में संघ ने प्रदेश के कक्षा 1 से 12 तक के निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से लागू कराने, मनमानी फीस वृद्धि पर तत्काल रोक लगाने तथा शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। साथ ही प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों के आर्थिक शोषण पर भी चिंता जताई गई। संघ ने मांग की कि सभी निजी विद्यालयों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू किया जाए, अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाले महंगे कोर्स और किताबों की बाध्यता समाप्त की जाए तथा फीस वृद्धि पर नियंत्रण के लिए ठोस नीति बनाई जाए। इसके अलावा दोषी विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेश शर्मा ने कहा कि, ह्यप्रदेश में शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ रहा है और स्कूल प्रबंधन मनमाने तरीके से फीस वसूल रहे हैं। अभिभावक आर्थिक दबाव में हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही। यदि जल्द ही सरकार ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो संगठन प्रदेशव्यापी आंदोलन के लिए बाध्य होगा।ह्व वहीं अशोक कुमार पांडे ने कहा, ह्यशिक्षा के नाम पर अभिभावकों का शोषण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए।ह्व सभासद नितेश उर्फ रिंकू पचैरी ने कहा कि, ह्यह आंदोलन केवल एक संगठन का नहीं, बल्कि हर उस अभिभावक और छात्र की आवाज है जो महंगी शिक्षा व्यवस्था से परेशान है। प्रशासन को जमीनी स्तर पर जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। धरने के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेश शर्मा, अशोक कुमार पांडे, कपिल पंडित, रामदास सभासद, नितेश उर्फ रिंकू पचैरी सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय सीमा में मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रदेशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

समीक्षा बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम में रेनू गौड़ की सहभागिता

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गोरखपुर के विकास भवन सभागार में राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित सशक्त नारी, समृद्ध समाज, महिला सशक्तिकरण की ओर हमारा संकल्प विषय पर समीक्षात्मक बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम में उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड़ ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान गोरखपुर के कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं द्वारा ताइक्वांडो की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई, इस अवसर पर आयोग की अध्यक्षा श्रीमती बबीता चैहान, आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव एवं श्रीमती चारू चैधरी के साथ छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में आयोग की सभी सम्मानित सदस्यगण एवं अन्य गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

लापरवाही पर डीएम का बड़ा एक्शन, 3 सीएचसी प्रभारियों को नोटिस, स्वास्थ्य व्यवस्था पर कसी नकेल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए डीएम ने लापरवाही पर सख्त रुख अपनाया। जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के भुगतान में देरी पर तीन सीएचसी प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए, जबकि बेहतर कार्य करने वाले केंद्रों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। बैठक की शुरूआत स्वास्थ्य विभाग के विस्तृत प्रेजेंटेशन से हुई, जिसमें सीएचसी, पीएचसी, मेडिकल कॉलेज, मानव संसाधन, एम्बुलेंस और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी गई। डीएम ने आशा कार्यकताओं की भूमिका पर जोर देते हुए स्पष्ट कहा कि निष्क्रिय आशाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि नियमित मॉनिटरिंग कर काम न करने वाली आशाओं को चिन्हित कर नोटिस जारी किया जाए और आवश्यकता पड़ने पर सेवा समाप्ति का प्रस्ताव भेजा जाए। जेएसवाई योजना की समीक्षा में भुगतान लंबित पाए जाने पर सीएचसी आंवलखेड़ा, फतेहाबाद और जैतपुर के प्रभारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं, बरौली अहीर, अछनेरा और किरावली सीएचसी के बेहतर प्रदर्शन पर उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने की घोषणा की गई। मातृ मृत्यु के मामलों पर भी डीएम ने चिंता जताई और स्पष्ट कहा कि एक भी मातृ मृत्यु स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने प्रत्येक मामले की गहन जांच और विश्लेषण के निर्देश दिए। साथ ही, दूरस्थ क्षेत्र बाह में सिजेरियन सर्जन की तैनाती के निर्देश भी दिए गए।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान डीएम ने टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की और कहा कि टीबी लाइलाज नहीं है, समय पर दवा और पोषण से इसे ठीक किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की अपील की।

डेंगू और मलेरिया नियंत्रण को लेकर डीएम ने सभी सीएचसी में रैपिड रिस्पॉन्स टीम (आरआरटी) गठित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में लार्वा जांच तेज करने के निर्देश दिए। फॉगिंग की समीक्षा में सामने आया कि 690 ग्राम पंचायतों में से केवल 115 में ही फॉगिंग मशीन उपलब्ध है। इस पर डीएम ने सभी ग्राम पंचायतों में फॉगिंग मशीन खरीदने और नगर निगम में भी मशीनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। आयुष्मान योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के 64,781 कार्ड बनाए जाने की जानकारी दी गई। डीएम ने लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए। वहीं, आभा आईडी निर्माण की समीक्षा में 2.20 लाख आईडी बनने की जानकारी दी गई, जिस पर डीएम ने विशेष अभियान चलाकर सभी परिवारों की आभा आईडी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गर्मी के मौसम के लिए मुनमुन दत्ता ने साझा किए देसी ड्रिंक

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। यह पोस्ट उनके फैंस को बेहद पसंद आ रही है। मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए यह बताया है कि वह अपनी सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं ताकि गर्मियों में भी तरोताजा और स्वस्थ रह सकें। तारक मेहता का उल्टा चश्मा सीरियल में बबीता जी के किरदार से घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते और पेय पदार्थों की स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है। यह कैप्शन ही उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और आयुर्वेदिक सिद्धांतों में उनके विश्वास को दर्शाता है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मुनमुन दत्ता छाछ से एक विशेष पेय बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहद बेहतरीन ड्रिंक मानती हैं। इसे तैयार करते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज, ताजा हरा धनिया और अन्य कई स्वास्थ्यवर्धक चीजों को मिलाया, जिससे इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाती है। छाछ, जिसे दही से बनाया जाता है, पारंपरिक रूप से गर्मियों में शरीर को ठंडक देने और पाचन को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसके अलावा, मुनमुन ने एक और तस्वीर के माध्यम से एक और खास देसी ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही, यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है और ऊर्जा का स्तर बनाए रखता है। रागी अंबली, जो रागी के आटे से बनता है, दक्षिण भारत में एक लोकप्रिय और पौष्टिक पेय है, जो फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होता है। मुनमुन दत्ता अपनी फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम, योग और स्वस्थ खानपान से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं। उनका दृढ़ता से मानना है कि फिट और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम के साथ-साथ सही और संतुलित खानपान भी उतना ही आवश्यक है।

समीरा रेड्डी का आखिरी सवाल से कमबैक

संजय दत्त की आगामी फिल्म 'आखिरी सवाल' इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है, जिसकी दर्शक बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर इसका टीजर जारी किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इतिहास की एक ऐसी झलक दिखाई गई है, जिसे पहले कभी इस अंदाज में नहीं देखा गया था। यह टीजर दर्शकों के बीच गहरी उत्सुकता जगा रहा है और उन्हें एक नई कहानी से जोड़ने का वादा करता है। इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने अपने किरदार और फिल्म के चुनाव को अपने करियर का सबसे बड़ा और निडर फैसला बताया है। उन्होंने कहा, मैंने फिल्मों में वापसी सिर्फ सुरक्षित भूमिकाएं निभाने के लिए नहीं की है, और 'आखिरी सवाल' बिल्कुल भी आसान फिल्म नहीं है। समीरा ने आगे बताया, आरएसएस को लेकर मेरी समझ पहले सीमित थी, लेकिन जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तो महसूस हुआ कि कई बातें वैसी नहीं हैं जैसी दिखती हैं।

एक समय खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं मालविका

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने बताया कि एक वक्त ऐसा आया था, जब वह अंदर से पूरी तरह टूट गई थीं। अभिनेत्री ने अपने फैंस के साथ दिल की बात साझा की। मालविका ने खुलासा किया कि परिवार और अपने करीबियों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। यह खुलासा मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ आयोजित किए गए आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान किया। इस सत्र के दौरान एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने बेहद ईमानदारी से अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया, पिछले महीने में काम के सिलसिले में चेन्नई में थी। मुझे वहां काफी लंबे समय तक रुकना पड़ा। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी सुचारु रूप से चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने के कारण मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थी। मालविका ने अपनी भावनाओं को विस्तार से बताते हुए कहा, दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद, जब मैं रात को अपने होटल के कमरे में लौटती थी, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यह बात मुझे अंदर ही अंदर परेशान करने लगी थी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी और लगातार अकेले रहने का गहरा असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसकी वजह से मुझे रोना आता था। उनका यह अनुभव दिखाता है कि किस तरह बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के सितारों को भी आम इंसानों की तरह भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी जिंदगी बाहर से कितनी भी चकाचौंध भरी क्यों न लगे। अपने निजी अनुभवों को साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की, जो उनके जीवन में आगे बढ़ने का एक संकेत है। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं, जिनकी तारीफ करते हुए मालविका ने कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने यह भी बताया कि इस फिल्म का नाम पॉकेट नॉवेल है और यह इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा है।

आमिर ने नए दौर के स्टार्स की आदतों पर जताई नाराजगी

फिल्म इंडस्ट्री में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने कुछ चीजों को अपनी दूरदर्शिता और सिद्धांतों के दम पर बदला है। मीडिया चर्चा में आमिर खान ने खुलासा किया था कि जब वह नए-नए भारतीय सिनेमा जगत में आए थे, तो उन्होंने कुछ ऐसी चीजों को नोटिस किया जो उन्हें बेहद अजीब और अनुचित लगीं। आमिर खान ने इन चीजों को बदलने का फैसला किया और अपनी दृढ़ता से उन्हें बदलकर ही दम लिया, जिससे बॉलीवुड में एक नया मानक स्थापित हुआ। मीडिया से बातचीत में आमिर खान ने बताया, जब मैं इंडस्ट्री में आया था, तब एक सिस्टम था कि जब कोई स्टार आता है, तो उसके ड्राइवर का पैसा और उसके बॉय (पर्सनल असिस्टेंट) का पैसा प्रोड्यूसर देता है। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए आमिर खान ने आगे कहा, तब मैंने सोचा कि यार, बॉय और ड्राइवर तो मेरे लिए काम करते हैं ना। तो प्रोड्यूसर क्यों उनका पैसा देगा? मैं बहुत खुद्दार आदमी हूं, मुझे नहीं चाहिए कि आप मेरे पैसे दें। कल को क्या आप मेरे बच्चे के स्कूल की फीस भी भरेंगे? यह किसी हद पर जाकर तो रुकना चाहिए ना। आमिर खान का मानना था कि प्रोड्यूसर को सिर्फ उतना खर्च करना चाहिए जो फिल्म के निर्माण पर आधारित है। उन्होंने सुझाया कि प्रोड्यूसर को मेकअप मैन का पैसा, हेयर ड्रेसर का पैसा या कॉस्ट्यूम वाले का पैसा देना चाहिए, क्योंकि ये सब सीधे फिल्म से जुड़े होते हैं। आमिर खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं था कि प्रोड्यूसर उनके बॉय और ड्राइवर का पैसा क्यों देंगे। उन्होंने नए दौर के स्टार्स की कुछ आदतों पर अपनी नाराजगी भी जाहिर की। आमिर खान ने कहा, जब आप एक हद से ज्यादा प्रोड्यूसर को तंग करने लगते हो, तो वह गलत है। जब मैं सुनता हूं कि आपकी जरूरतों और फरमाइशों की लिस्ट जब बहुत लंबी होती चली जाती है, तो मुझे बहुत तकलीफ होती है। सुपरस्टार ने बताया कि उनके बॉय और ड्राइवर उनके लिए काम करते हैं और इसलिए वह उन्हें खुद पैसा देंगे।

मेरे लिए दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी है: मनीषा कोइराला

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला आज भी भारतीय सिनेमा और अन्य मंचों पर सक्रिय हैं। दिल से, मन और गुप्त जैसी कई फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री को हाल ही में संजय लीला भंसाली की भव्य पीरियड ड्रामा हीरामंडी-द डायमंड बाजार में देखा गया। मनीषा कोइराला अक्सर कला और संस्कृति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करती रही हैं। हाल ही में उन्होंने नेपाल के एक प्रतिष्ठित म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने अपने देश नेपाल की समृद्ध संस्कृति और अद्भुत कला से रूबरू होने का अवसर पाया। मनीषा कोइराला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि उनके लिए उनके दोस्त ही सबसे बड़ी ताकत और खुशी की कुंजी हैं। इस व्यक्तिगत पोस्ट के अलावा, अभिनेत्री ने नेपाल म्यूजियम की कुछ अद्भुत तस्वीरें भी साझा की हैं, जिनमें बौद्ध और हिंदू धर्म की कलात्मक झलक एक साथ देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों में एक तरफ भगवान शिव के नटराज अवतार की भव्य पेंटिंग दिखाई देती है, तो दूसरी तरफ बौद्ध संस्कृति को दर्शाती शांतिपूर्ण और गहन कलाकृतियां हैं। एक पेंटिंग में अलग-अलग भाषाओं में कई प्राचीन मंत्र लिखे हुए हैं, जबकि कुछ पेंटिंग मां काली के रौद्र और शक्तिशाली रूप को अत्यंत कलात्मक ढंग से प्रदर्शित करती हैं। इन प्यारी और कलात्मक तस्वीरों को साझा करते हुए मनीषा ने लिखा, मुझे कुछ अद्भुत कलाकारों और मेरे दोस्तों का काम नेपाली कला संग्रहालय में देखने का मौका मिला। थंका और पौभा, जो समृद्ध नेवारी कला परंपराओं के प्रतीक हैं, उनके प्रति मेरा प्रेम समय के साथ और गहरा होता जा रहा है। हर कलाकृति में ऐसी भक्ति, इतिहास और आत्मा समाई हुई है। इसे देखना और इसके बारे में सीखना सचमुच एक विशेष और प्रेरणादायक अनुभव था। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि संग्रहालय में प्रदर्शित हर कलाकृति को इतने प्यार और बारीकी से तैयार किया गया था कि वे बिल्कुल जीवंत लगती थीं। उन्होंने महसूस किया कि हर प्रतिमा और पेंटिंग से कुछ न कुछ नया सीखने को मिल रहा है, जो उनके मन को शांति और प्रेरणा प्रदान कर रहा था। मनीषा ने इस बात का भी खुलासा किया कि उनकी भाभी भी काफी सालों से नेपाल में रहकर एक आर्ट एकेडमी चला रही हैं। उन्होंने कहा कि, किसी भी विदेशी महिला के लिए इस तरह की संस्था को बिल्कुल शुरुआत से शुरू करना आसान नहीं होता, लेकिन उनकी भाभी ने अपनी लगन और मेहनत से इसे संभव कर दिखाया है। मनीषा ने गर्व से बताया कि आज उनकी भाभी की दृढ़ता और परिश्रम की बदौलत ही इस संस्था ने कला जगत में एक मजबूत और सम्मानित नाम कमाया है, जो नेपाल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा

मशहूर फिल्ममेकर इम्तियाज अली अपनी आगामी रोमांटिक पीरियड ड्रामा मैं वापस आऊंगा को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी में हैं। यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की हृदय विदारक पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें प्यार, यादें और घर वापसी की एक मार्मिक कहानी को खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हाल ही में, इम्तियाज अली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पटियाला में फिल्म की टीम के साथ एक खूबसूरत सूर्यास्त का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में वे घर पर आराम से बैठे नजर आ रहे हैं, और उनके साथ अभिनेता वेदांग रैना, अभिनेत्री शरवरी सहित कई कलाकार मौजूद हैं। सभी लोग किसी मजेदार बातचीत में व्यस्त दिखाई दे रहे हैं, जिससे लगता है कि शूटिंग के दौरान का माहौल काफी खुशगवार और दोस्ताना रहा होगा। इम्तियाज अली ने अपनी इस पोस्ट के जरिए शूटिंग के उन यादगार पलों को फिर से ताजा किया, खासकर पटियाला के उस सुंदर सूर्यास्त को जो अब भी उनकी यादों में तरोताजा है। इस तस्वीर को साझा करते हुए इम्तियाज अली ने लिखा, शूटिंग की यादें, पटियाला में सुनहरे सूर्यास्त शरवरी और वेदांग रैना के साथ। फिल्म का नया गाना क्या कमाल है भी हाल ही में रिलीज हुआ है। मेकर्स ने दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता जगाने के लिए पहले गाने का ऑडियो जारी किया था, और कुछ दिनों बाद ही इसका वीडियो भी रिलीज कर दिया। दर्शकों ने ऑडियो और वीडियो दोनों को ही बेहद पसंद किया है। इस गाने के जरिए निर्देशक इम्तियाज अली, संगीतकार एआर रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की एक बार फिर से सफल तिकड़ी वापसी हुई है, जिन्होंने अतीत में कई यादगार गाने दिए हैं। इस खास गाने को दिलजीत दोसांझ ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है, जबकि इसका संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है और इरशाद कामिल ने इसके दिल को छू लेने वाले बोल लिखे हैं। फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना जैसे प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का संगीत एआर रहमान दे रहे हैं, जो इसकी भावनात्मक गहराई को और बढ़ाएगा। यह फिल्म विभाजन के दर्द और व्यक्तियों के बीच रिश्तों की गहराई को छूती हुई एक शक्तिशाली रोमांटिक कहानी पेश करेगी। इम्तियाज अली अपनी भावुक और यादगार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, और उम्मीद है कि यह फिल्म भी उनकी इसी पहचान को बरकरार रखेगी। यह फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सुभाष घई ने की राजा शिवाजी की दिल खोलकर तारीफ

हाल ही में अपनी घोषणा के बाद से चर्चा में रही फिल्म राजा शिवाजी अब एक नए स्तर पर पहुंच गई है। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के निर्देशन में बनी फिल्म राजा शिवाजी मराठा साम्राज्य के संस्थापक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन पर आधारित है। फिल्म के ट्रेलर और पोस्टर सामने आने के बाद से ही दर्शकों में इसे लेकर अपार उत्साह देखा जा रहा है, और अब इस उत्साह को दिग्गज फिल्ममेकर सुभाष घई की प्रतिक्रिया ने और बढ़ा दिया है। फिल्म राजा शिवाजी का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए, भारतीय सिनेमा के इस अनुभवी निर्माता-निर्देशक ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को बेहद दमदार बताते हुए भविष्यवाणी की कि यह दर्शकों को एक अनूठा और जादुई सिनेमाई अनुभव प्रदान करेगी। अपने पोस्ट में सुभाष घई ने लिखा, सोचिए, जब ट्रेलर ही इतना रॉकिंग है, तो फिल्म कैसी होगी। थिएटर में फिल्म देखने का अनुभव और भी खास और जादुई होने वाला है। यह फिल्म दर्शकों को एक अलग ही स्तर का सिनेमाई अनुभव देने वाली है। उनकी यह टिप्पणी फिल्म के प्रति बढ़ती उम्मीदों को और बल देती है, खासकर जब यह एक ऐसे मास्टर फिल्ममेकर से आई हो, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कालजयी फिल्में दी हैं। सुभाष घई ने रितेश देशमुख के इस प्रोजेक्ट के प्रति जुनून और कड़ी मेहनत की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि रितेश ने न केवल अभिनय के मोर्चे पर बल्कि कहानी लेखन और निर्देशन के क्षेत्र में भी शानदार काम किया है। उनके अनुसार, फिल्म में देशभक्ति की भावना साफ नजर आती है, जो दर्शकों के दिलों को छू लेगी। घई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल होगी, बल्कि दर्शकों के बीच एक स्थायी छाप भी छोड़ेगी। उन्होंने फिल्म में शामिल अन्य कलाकारों, विशेष रूप से संजय दत्त और अभिषेक बच्चन के योगदान को भी सराहा, यह मानते हुए कि इन अनुभवी सितारों ने रितेश के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे फिल्म की गुणवत्ता और प्रभाव कई गुना बढ़ गया है। राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के संघर्ष, साहस और असाधारण नेतृत्व को बड़े परदे पर उतारने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है। यह सिर्फ इतिहास की एक कहानी नहीं है, बल्कि प्रेरणा और देशभक्ति का एक गहरा संदेश भी देती है। फिल्म में रितेश देशमुख स्वयं मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जिनके साथ संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों का एक विशाल समूह है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949) (समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।